राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 17 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-321 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अदाणी पावर के कॉन्ट्रैक्ट के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

मुंबई । बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिन्यूएबल और थर्मल पावर इलेक्ट्रिसिटी के लिए अदाणी ग्रुप को महाराष्ट्र सरकार से दिए गए कॉन्ट्रैक्ट को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने याचिका को अप्रमाणित और लापरवाह करार दिया है। दो न्यायाधीश की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता श्रीराज नागेश्वर एपुरवार पर अस्पष्ट याचिका के लिए 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। एपुरवार ने आरोप लगाया कि 6,600 मेगावाट रिन्यूएबल और थर्मल पावर इलेक्ट्रिसिटी की सप्लाई के लिए अदाणी ग्रुप को दिया गया कॉन्ट्रैक्ट याचिकाकर्ता के उचित दर पर उचित बिजली सप्लाई तक पहुंच के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। याचिका में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जो वर्तमान में उपमुख्यमंत्री हैं, पर अदाणी ग्रुप को कॉन्ट्रैक्ट देने के दौरान भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। दो जजों की पीठ ने याचिकाकर्ता की इन दलीलों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा, हमारी राय में, निराधार और लापरवाह बयानों वाली ऐसी याचिकाएं दायर करने से कभी-कभी अच्छे कारणों के भी खत्म होने का खतरा रहता है। याचिका में अस्पष्ट और निराधार दावे किए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता कॉन्ट्रैक्ट की निविदा प्रक्रिया में भागीदार नहीं था। याचिका में कोई भी पुष्ट और सहायक कंटेंट नहीं है और इसमें बिल्कुल बेबुनियाद और अस्पष्ट आरोप हैं।

नारायण मूर्ति ने 70 घंटे काम करने की बात दोहराई, कहा-

-युवाओं को बहुत मेहनत करनी होगी, देश में 80 करोड़ लोग गरीब

कोलकाता। इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने एक बार फिर हफ्ते में 70 घंटे काम करने की बात दोहराई। उन्होंने कहा- युवाओं को यह समझना होगा कि हमें कड़ी मेहनत करनी होगी और भारत को नंबर एक बनाने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपनी आकांक्षाएं ऊंची रखनी होंगी, क्योंकि 800 मिलियन (80 करोड़) भारतीयों को मुफ्त राशन मिलता है। इसका मतलब है कि 800 मिलियन भारतीय गरीबी में हैं। अगर हम कड़ी मेहनत करने की स्थिति में नहीं हैं तो कौन कड़ी मेहनत करेगा। मूर्ति ने कहा कि इंफोसिस में मैंने कहा था कि हम सर्वश्रेष्ठ कंपनियों के पास जाएंगे और अपनी तुलना सर्वश्रेष्ठ वैश्विक कंपनियों से करेंगे। एक बार जब हम अपनी तुलना सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल कंपनियों से करेंगे तो मैं आपको बता सकता हूं कि हम भारतीयों के पास करने के लिए बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि एक समय वे वामपंथी थे, जब जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वास्तविकता बन चुके थे। मूर्ति रविवार को कोलकाता पहुंचे थे। वे इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत का सम्मान उसके प्रदर्शन के लिए करती है। प्रदर्शन से पहचान मिलती है, पहचान से सम्मान मिलता है, सम्मान से शक्ति मिलती है। मैं युवाओं को यह बताना चाहता था कि हमारे संस्थापकों के सपने को पूरा करने की हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। यही कारण है कि हम सभी को कड़ी मेहनत करनी होगी।

चीन दौरे पर जाएंगे एनएसए डोभाल

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल जल्द चीन के दौरे पर जाएंगे। डोभाल का ये दौरा 18 दिसंबर को होगा। इस दौरान वे चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा विवाद से जुड़े मुद्दों के समाधान पर बातचीत करेंगे। भारत-चीन के बीच इस साल अक्टूबर में सीमा विवाद को सुलझाने के लिए सहमति बनी थी। इसके लिए दोनों देशों ने अजित डोभाल और वांग यी को स्पेशल प्रतिनिधि बनाया था। 23 अक्टूबर को रूस के कजान में ब्रिक्स समिट के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बातचीत की थी। भारत और चीन के बीच 2020 में गलवान में हुई झड़प के बाद मोदी और जिनपिंग के बीच ये पहली द्विपक्षीय बातचीत थी। 2019 के बाद ये पहला मौका है जब भारत के कोई सीनियर अधिकारी या नेता चीन का दौरा करेंगे। इससे पहले विदेश मंत्री जयशंकर ने अगस्त 2019 में चीन की यात्रा की थी।

संभल में मंदिर के पास कुएं की खुदाई में मिली प्राचीन मूर्तियां और ऐतिहासिक अवशेष

संभल। संभल के खग्गू सराय इलाके में 46 साल से बंद प्राचीन शिव मंदिर के खुलने और इसके पास बने कुएं की खुदाई के दौरान कई प्राचीन मूर्तियां और ऐतिहासिक अवशेष मिले हैं। शिव मंदिर के पास स्थित कुएं से तीन खंडित मूर्तियां मिली हैं, जिन्हें पार्वती, गणेश, और कार्तिकेय/ लक्ष्मी जी की मूर्तियां बताया जा रहा है। स्वास्तिक चिह्न बनी तीन प्राचीन ईंटें भी मिली हैं। वर्षों से अतिक्रमण के कारण ढका हुआ यह कुआं अब इतिहास और पुरातात्विक महत्व का केंद्र बन गया है। यह मंदिर 1978 के सांप्रदायिक दंगों के बाद बंद किया गया था। हाल ही में प्रशासन द्वारा फिर से खोला गया, जिसके बाद पूजा-पाठ फिर से शुरू हुआ। कुएं की खुदाई के दौरान मूर्तियां और अन्य प्राचीन वस्तुएं मिलने से लोगों में उत्साह है। संभल डीएम राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि मंदिर और कुएं के पुरातात्विक महत्व की जांच के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पत्र लिखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के साथ वार्ता की

*** पीएम मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति डिसनायके ने कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए**

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के साथ सोमवार को व्यापक वार्ता की, जिसमें रक्षा, व्यापार एवं निवेश सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत एवं श्रीलंका के बीच सहयोग को और बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

श्रीलंकाई नेता रविवार को दिल्ली पहुंचे। यह सितंबर में राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। वार्ता से पहले दिसानायके का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मोदी और दिसानायके के बीच वार्ता से पहले 'एक्स' पर लिखा, ''व्यापार, निवेश, विकास और सुरक्षा सहयोग को शामिल करते हुए एक व्यापक एजेंडे पर चर्चा की जाएगी।''

श्रीलंकाई नेता ने रविवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ अलग-अलग बैठकें की थीं। दिसानायके का भारत और श्रीलंका के बीच निवेश एवं वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली में एक व्यापारिक कार्यक्रम में भाग लेने का भी कार्यक्रम है। उनका बोधगया जाने का भी कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि श्रीलंका हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का निकटतम समुद्री पड़ोसी है और प्रधानमंत्री मोदी के 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और प्रगति) के दृष्टिकोण तथा भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति में प्रमुख स्थान रखता है।

इस संबंध में एक बयान में कहा गया, ''राष्ट्रपति दिसानायके की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच बहुआयामी एवं पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग के और मजबूत होने की उम्मीद है।'' मामले से परिचित अधिकारियों ने बताया कि दिसानायके की यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। हिंद महासागर में चीन के अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने के प्रयासों को लेकर चिंताओं के बीच, भारत श्रीलंका के साथ अपने समग्र रक्षा और रणनीतिक संबंधों का विस्तार कर रहा है। अगस्त 2022 में हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी मिसाइल और उपग्रह पर नजर रखने वाले पोत 'युआन वांग' के आने से भारत और श्रीलंका के बीच कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया था। पिछले साल अगस्त में कोलंबो बंदरगाह पर एक अन्य चीनी युद्धपोत पहुंचा था। भारत श्रीलंकाई रक्षा बलों की क्षमता बढ़ाने संबंधी विभिन्न कदमों का समर्थन कर रहा है, जिसमें स्वदेशी रूप से निर्मित अपतटीय गश्ती पोत प्रदान करना भी शामिल है।

विजय दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी समेत अनेक नेताओं ने दी जवानों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ल। आज देश 1971 की जंग में मिली जीत का विजय दिवस मना रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने 1971 के जंग में शामिल जवानों को श्रद्धांजलि दी है। साथ ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों को सलामी पेश की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वीर सैनिकों की शहादत को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि विजय दिवस पर मैं उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं, जिन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत को विजय दिलाई। राष्ट्र हमारे वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया है। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे देश की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से समाया रहेगा।

शंभू बॉर्डर पर किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च

*** 18 दिसंबर को किसानों का रेल रोको आंदोलन**

पटियाला(एजेंसी)। शंभू-खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में सोमवार को हरियाणा में ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। हिसार, सोनीपत, चरखी दादरी, सिरसा, फतेहाबाद, कैथल और अंबाला में किसानों ट्रैक्टर मार्च निकाल प्रदर्शन किया। हांसी में किसान ट्रैक्टर पर रामायण टोल से मिनी सचिवालय तक गए। वहीं सोनीपत के खरखौदा में रोहणा बाइपास चौक से मार्च निकाला गया। पंजाब में मार्च निकालने का ऐलान नहीं हुआ था। यहां 18 दिसंबर को रेल रोको आंदोलन किया जाएगा।

रेल रोको आंदोलन पर परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि किसानों को ट्रेनें नहीं रोकनी चाहिए। इससे आम लोगों को ही परेशानी होती है। वहीं हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन बड़ौली ने कहा कि प्रदेश में हम 24 फसलों पर एमएसपी दे रहे हैं, कांग्रेस और आप की सरकार भी किसानों को एमएसपी पर फसल खरीदने की गारंटी दे।

भाजपा सरकार को हो रहा आंदोलन का फायदा

भारतीय किसान यूनियन (भूकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत आज हरियाणा के करनाल में पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन का फायदा इस समय भाजपा सरकार को हो रहा है। उन्होंने कहा कि अभी किसान पंजाब की जमीन पर हैं और पंजाब में सरकार आम आदमी पार्टी की है। आंदोलन कब खत्म होगा इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि ये आंदोलन 4 से 5 महीने और चलेगा। साथ ही उन्होंने किसानों को नसीहत देते हुए कहा कि बंटोगे तो लुटोगे।

जब संविधान लागू हुआ तब आरएसएस ने किया था विरोध, ऐसे लोग आज हमें पाठ पढ़ा रहे हैं : खड़गे

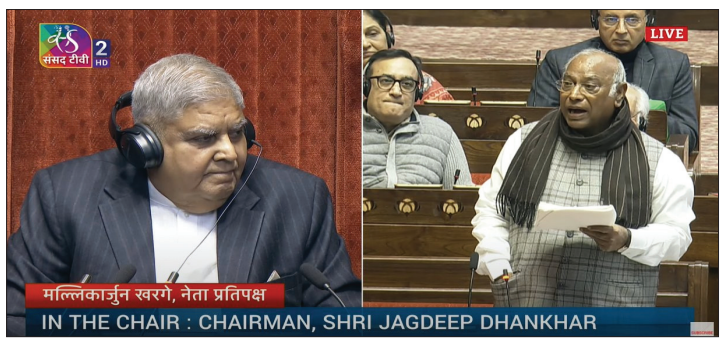

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर राज्यसभा में बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का अपमान करते हैं, वो हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं।

राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने अपने संबोधन में कहा, '1949 में आरएसएस नेताओं ने भारत के संविधान का विरोध किया क्योंकि यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं था। न तो उन्होंने संविधान को स्वीकार किया और न ही तिरंगे को स्वीकार किया। 26 जनवरी 2002 को पहली बार मजबूरी में आरएसएस मुख्यालय पर तिरंगा फहराया गया था क्योंकि अदालत का आदेश था।'

उन्होंने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते हैं, संविधान का अपमान करते हैं, जिस दिन संविधान लागू हुआ उस दिन इन्होंने महात्मा गांधी और भीमराव अंबेडकर का पुतला जलाया, अब वो लोग हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं। जो देश के लिए लड़े नहीं, वो आजादी और संविधान का महत्व क्या समझेंगे। संविधान सभा की बहसों से यह स्पष्ट है कि आरएसएस के तत्कालीन नेता संविधान के खिलाफ थे। जो लोग झंडे, अशोक चक्र और संविधान से नफरत करते थे, वे आज हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं। ऐसे लोग अब देश के लिए जान देने वालों के खिलाफ बोलते हैं।' मल्लिकार्जुन खड़गे ने बांग्लादेश की आजादी का जिक्र करते हुए इंदिरा गांधी को याद किया। उन्होंने कहा कि आज 16 दिसंबर है, जो बांग्लादेश का लिबरेशन डे है। हमारी बहादुर नेता इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बांग्लादेश बनाया था और देश की शान पूरी दुनिया में बढ़ाई थी। आयरन लेडी रही इंदिरा गांधी ने ऐसा करके दिखा दिया था कि हमारे देश के नजदीक जो भी आएगा, उसकी खैर नहीं। लेकिन आज बांग्लादेश के जैसे हालात हैं, सरकार के लोग उसे आंख खोल कर देखें और वहां के अल्पसंख्यकों को बचाने का प्रयास करें।

विधानमंडल सत्र शुरू होने से पहले सपा का प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों (विधान सभा और विधान परिषद) के सोमवार से शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। सत्र शुरू होने से पहले सपा विधायक और विधान पार्षदों ने संभल समेत कई मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथ में लेकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के निकट सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। सपा नेताओं ने किसानों की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा पूरा न होने, बेरोजगारी, पेपर लीक और पुलिस द्वारा किए जा रहे ''अत्याचार'' जैसे तमाम मुद्दे उठाये। सपा विधायकों ने संभल हिंसा में मारे गये लोगों के परिजनों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारेबाजी की। सपा विधायक और विधान पार्षदों ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार इन मुद्दों की ओर ध्यान नहीं दे रही है और आम जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। इससे पहले सपा के विधान पार्षद आशुतोष सिन्हा महंगाई के विरोध में साइकिल चलाते हुये सदन पहुंचे।

'एक परिवार के हित' में संविधान संशोधन करती रही कांग्रेस की सरकारें: सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को अभिव्यक्ति की आजादी से लेकर शाह बानो प्रकरण और आपातकाल से जुड़े विभिन्न संविधान संशोधनों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर 'एक परिवार के हित' में संविधान में संशोधन करते रहने का आरोप लगाया।

'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए सीतारमण ने कहा कि इन संविधान संशोधनों के दौरान कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों ने ना तो प्रक्रिया का पालन किया और ना ही संविधान की भावना का कोई सम्मान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नाम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर पुस्तकों पर प्रतिबंध लगाने का रिकॉर्ड है।

उन्होंने कहा, ''मजरूह सुल्तानपुरी और बलराज साहनी दोनों को 1949 में जेल में डाल दिया गया था। 1949 में मिल मजदूरों के लिए आयोजित बैठकों में से एक में मजरूह सुल्तानपुरी ने एक कविता सुनाई थी जो जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ थी। और इसलिए उन्हें जेल जाना पड़ा।'' सीतारमण ने कहा कि सुल्तानपुरी ने माफी मांगने से इनकार कर दिया था और उन्हें जेल भेज दिया गया।

उन्होंने कहा, ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने का कांग्रेस का रिकॉर्ड यहीं तक सीमित नहीं था। वर्ष 1975 में माइकल एडवर्ड्स ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू पर एक राजनीतिक जीवनी लिखी थी। इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उन्होंने 'किस्सा कुर्सी का' नामक एक फिल्म को भी सिर्फ इसलिए प्रतिबंधित कर दिया क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, उनके बेटे और तत्कालीन सूचना और प्रसारण मंत्री पर सवाल उठाया गया था।'' सीतारमण ने कहा कि 1950 में उच्चतम न्यायालय की ओर से वामपंथी पत्रिका 'क्रॉस रोड्स' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पत्रिका 'ऑर्गनाइजर' के पक्ष में सुनाए गए एक फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इसके जवाब में तत्कालीन अंतरिम सरकार संविधान संशोधन किया जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाते थे।

उन्होंने कहा, ''कई उच्च न्यायालयों ने भी हमारे नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखा, लेकिन अंतरिम सरकार ने जवाब में सोचा कि पहले संशोधन की आवश्यकता है। यह कांग्रेस द्वारा लाया गया था।'' उन्होंने इंदिरा गांधी बनाम राजनारायण मामले से संबंधित संवैधानिक संशोधनों का भी उल्लेख किया और कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, ''ये संशोधन लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नहीं बल्कि सत्ता में बैठे लोगों के हित में लाए गए थे।''

उन्होंने कहा, ''कल्पना कीजिए कि किसी व्यक्ति के लिए अपनी कुर्सी बचाने के लिए, अदालत के फैसले से पहले ही एक संशोधन किया गया था।'' शाह बानो मामले में उच्चतम न्यायालय के 1986 के एक फैसले का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने इसे पलटते हुए मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता के अधिकार से वंचित कर दिया।

उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया जबकि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने संविधान संशोधन करके मुस्लिम महिलाओं को अधिकारों से वंचित किया।'' इससे पहले, वित्त मंत्री ने 15 महिलाओं सहित संविधान सभा के 389 सदस्यों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने बहुत ही चुनौतीपूर्ण माहौल में भारत का संविधान तैयार किया था। सीतारमण ने कहा कि भारत का संविधान ''समय की कसौटी पर खरा उतरा है। आज हम भारत के लोकतंत्र के विकास पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि देश के संविधान के 75 साल पूरे हो रहे हैं और ''यह समय भारत के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का है, जो इस पवित्र दस्तावेज में निहित भावना को बनाए रखेगा।'' भारत और उसके संविधान को अपनी अलग पहचान बताते हुए सीतारमण ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 50 से अधिक देश स्वतंत्र हुए और उन्होंने अपना संविधान लिखा। उन्होंने कहा, ''लेकिन कई देशों ने अपने संविधानों को बदला है, कई ने न केवल उनमें संशोधन किया है, बल्कि सचमुच अपने संविधान की पूरी विशेषता को बदल दिया है। लेकिन हमारा संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा है।''

उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में समय समय पर संशोधन किए गए हैं। उन्होंने कहा ''संशोधन समय की मांग थी।'' उच्च सदन में सोमवार और मंगलवार को 'भारतीय संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर राज्यसभा में चर्चा नियत है। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि समय की कोई कमी नहीं होगी और जितने भी वक्ता बोलने के इच्छुक होंगे, उन्हें चर्चा की अवधि बढ़ाकर समायोजित किया जाएगा।

कश्मीर में जम गए झरने, माइनस 5.9 डिग्री पहुंचा तापमान

-शहडोल में पारा 1 डिग्री, अयोध्या में 2.5 डिग्री

-कानपुर में 4.5 डिग्री के साथ 13 साल का रिकॉर्ड टूटा; राजस्थान में पत्तों पर बर्फ जमी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है. घाटी के कई इलाकों में तापमान शून्य से नीचे पहुंच चुका है। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में बीते रविवार न्यूनतम तापमान -5.9 डिग्री तक पहुंच गया, जो इस सीजन की सबसे ठंडी रात थी. उत्तरी कश्मीर के तंगमर्ग के द्रंग में एक झरना जम गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक उमड़ पड़े। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण देश के उत्तरी राज्यों में सर्दी तेज होती जा रही है। मप्र में 7 दिनों से शीतलहर चल रही है। भोपाल, जबलपुर समेत 37 जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट है। शहडोल में तापमान 1.0 डिग्री पहुंच चुका है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में पारा 2.5 डिग्री पहुंच चुका है। कानपुर में 13 साल बाद न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यहां 2011 में 15 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री दर्ज हुआ था। राजस्थान में अगले चार दिन कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान है। सीजन में पहली बार शीतलहर का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। फतेहपुर (सीकर) में तापमान माइनस में रिकॉर्ड किया गया। माउंट आबू में पत्तों पर बर्फ जम गई है। मौसम विभाग ने सोमवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। पंजाब और मप्र में सीवियर कोल्ड वेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग की मानें तो जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में शीतलहर चलने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में तापमान में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, श्रीनगर में इस पूरे हफ्ते अधिकतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान -2 से -4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इस दौरान बादलों की आवाजाही भी बने रहने के आसार हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उस्ताद जाकिर हुसैनः एक संगीत साधक

दिलीप कुमार पाठक

महान लोगों की महान बातें जाकिर हुसैन साहब को कोई उस्ताद कहता तो असहज हो जाते थे, और बड़ी शालीनता के लिए कहते - भाई मैं उस्ताद नहीं हूं मुझे आप जाकिर या जाकिर भाई कहो उस्ताद कभी बनना भी नहीं चाहूंगा, मैं हमेशा शागिर्द बनकर रहना चाहता हूं '

महान तबला वादक जाकिर हुसैन साहब को ब्लड प्रेशर की परेशानी के कारण अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एक हस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने आखिरी साँस ली ' कुछ दिन पहले ही उन्हें हार्ट की दिक्कत भी हुई थी। महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन साहब का अमेरिका में निधन होने की खबर आने के बाद पूरे मुल्क में शोक छा गया ' जाकिर हुसैन साहब जैसी शख्सियतें युगों में कभी जन्म लेती हैं ' उस्ताद जाकिर हुसैन साहब का जाना सचमुच एक युग का अंत हो जाना है ' जाकिर हुसैन अपने आप में संगीत का एक युग थे ' ये हिंदुस्तान का बहुत बड़ा नुकसान है ' पीढ़ियां इस बात पर सीना चौड़ा करेंगी कि ऐसा पुष्प हिन्द के आँगन में उगा था, जिसके संगीत की खुशबू से पूरी दुनिया महकती है ' ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो जाकिर हुसैन साहब की थापों पर फि दा न हुआ हो ' जैसे आज आश्चर्य होता है कि सुर सम्राट तानसेन क्या भारत में ही पैदा हुए थे? आने वाले दौर में बच्चे गर्व करेंगे कि महान तबला उस्ताद हमारे वतन के थे '

तब ही तो साहित्यकार शायर ध्रुव गुप्त उस्ताद जाकिर हुसैन साहब की महान शख्सियत को याद करते हुए कहते हैं -

-कभी बारिश, कभी तूफां, कभी बिजली की कड़क
वो उंगलियां थीं कि कुदरत का करिश्मा थीं, हुजूर !

उस्ताद जाकिर हुसैन अक्सर कहा करते हैं कि भारतीय शास्त्रीय संगीत स्टेडियम के लिए नहीं है, बल्कि यह कमरे का संगीत है। हालांकि ये भी सच है शायद ही कोई देश बचा हो, जहां जाकिर हुसैन साहब ने अपना शो नहीं किया और श्रोताओ को अपनी कला का दीवाना ना बनाया हो।

उस्ताद जाकिर हुसैन मशहूर तबला वादक कुरैशी अल्ला रक्खा खान के पुत्र थे ' अल्ला रक्खा खान भी तबला बजाने में माहिर माने जाते थे। जाकिर हुसैन जब अपनी उंगलियों और हाथ की थाप से तबला बजाते थे तो मंत्रमुग्ध कर देते थे । उनके तबले के सुर को सुन लोग मदहोश हो जाते हैं और कहते हैं वाह उस्ताद। हालांकि टेलीविजन पर आता ताज चाय का विज्ञापन भी उन्हें नई पीढ़ी में खासा लोकप्रिय बनाता था ' आज अधिकांश लोग उस स्लोगन

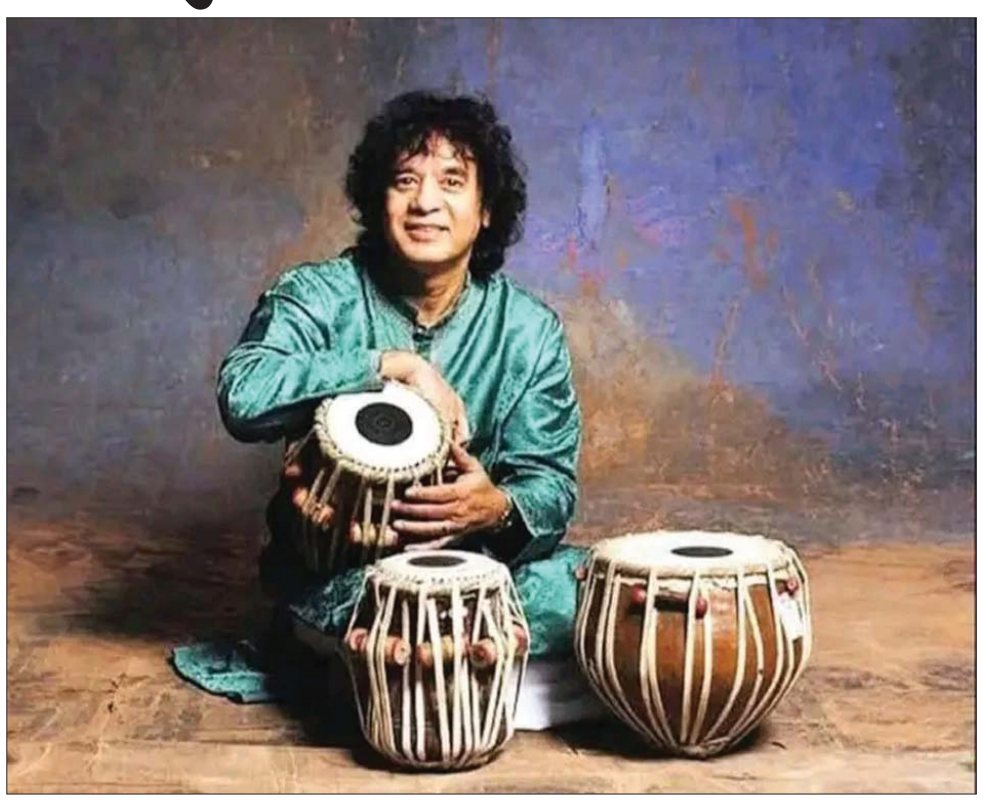

के साथ उस्ताद को याद कर रहे हैं '

जाकिर हुसैन ने देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में अपनी कला का परचम लहराया है। खुद का नाम तो रोशन किया ही बल्कि अपने राष्ट्र का मान बढ़ाया ' हमारी पीढ़ी के लोगों के लिए तबला का दूसरा नाम उस्ताद जाकिर हुसैन ही रहा है ' उस्ताद बिस्मिल्ला खान की शहनाई, हरि प्रसाद चौरसिया की बांसुरी, पंडित शिव शर्मा का संतूर..... इसी तरह तबला उस्ताद जाकिर हुसैन साहब के साथ जुड़ा हुआ है ' जीवन में इतनी प्रसिद्धि पाने के बाद भी उस्ताद को सादगी से रहना पसंद करते थे ' और वह अक्सर जमीन से जुड़े रहते थे '

महान लोगों की महान बातें जाकिर हुसैन साहब को कोई उस्ताद कहता तो असहज हो जाते थे, और बड़ी शालीनता के लिए कहते - भाई मैं उस्ताद नहीं हूं मुझे आप जाकिर या जाकिर भाई कहो उस्ताद कभी बनना भी नहीं चाहूंगा, मैं हमेशा शागिर्द बनकर रहना चाहता हूं ' तबला के महान विद्वान खुद को उस्ताद मानते ही नहीं थे, ये शालीनता उन्हें बहुत अलहदा अद्वितीय कलाकार बनाती है '

उन्होंने अपने जीवन में कई संघर्षों के बाद यह मुकाम पाया है। जाकिर हुसैन के अंदर बचपन से ही धुन बजाने का हुनर था। वे कोई भी सपाट जगह देखकर उंगलियों से धुन बजाने लगते थे। यहां तक कि किचन में बर्तनों को भी नहीं छोड़ते थे। तवा, हांडी और थाली, जो भी मिलता, वे उस पर हाथ फेरने लगते थे। शुरूआती दिनों में उस्ताद जाकिर हुसैन ट्रेन में यात्रा करते थे। पैसों की कमी की वजह से जनरल कोच में चढ़ जाते थे। सीट न मिलने पर फर्श पर अखबार बिछाकर सो जाते थे। तबले पर किसी का पैर न लगे, इसलिए उसे अपनी गोद में लेकर सो जाते थे। ऐसा समर्पण जब किसी कलाकार में आ जाता है तो वो किवदंती बन जाता है ' केवल 12 साल की उम्र में 5 रुपए मिले थे जब जाकिर हुसैन 12 साल के थे, तब अपने पिता के साथ एक कॉन्सर्ट में गए थे। उस कॉन्सर्ट में पंडित रविशंकर, उस्ताद अली अकबर खान, बिस्मिल्लाह खान, पंडित शांता प्रसाद और पंडित किशन महाराज जैसे संगीत की दुनिया के दिग्गज पहुंचे थे। जाकिर हुसैन अपने पिता के साथ स्टेज पर गए। परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद जाकिर को 5 रुपए मिले थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का जिक्र करते हुए कहा था- मैंने अपने जीवन में बहुत पैसे कमाए, लेकिन वे 5 रुपए सबसे कीमती थे। अमेरिका में भी जाकिर हुसैन को बहुत सम्मान मिला। 2016 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें ऑल स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट में भाग लेने के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया था। जाकिर हुसैन पहले इंडियन म्यूजिशियन थे, जिन्हें यह इनविटेशन मिला था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था, तो सबसे कम उम्र के कलाकार थे ' 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। उन्हें 2009 में पहला ग्रैमी अवॉर्ड मिला था। 2024 में उन्होंने 3 अलग-अलग एल्बम के लिए 3 ग्रैमी भी जीते। संगीत की दुनिया में उस्ताद जाकिर हुसैन साहब आप ध्रुव तारे की तरह चमकते रहेंगे ' आपकी उँगलियों से निकलता संगीत पूरी दुनिया के बीच आपको ज़िन्दा रखेगा'

(लेखक /पत्रकार)

संपादकीय

संकल्पबद्ध होने का अवसर

आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लोक सभा में कहा कि उसके माथे से यह कलंक कभी नहीं मिट सकता। 'संविधान के 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस परिवार ने हर स्तर पर संविधान को चुनौती दी है। इससे पूर्व चर्चा में हिस्सा लेते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार कर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया था कि जिस तरह एकलव्य का अंगूठा कटा था, उसी तरह आज देश के युवाओं का अंगूठा काटा जा रहा है। 'जैसे एकलव्य ने तपस्या की थी, वैसे ही हिन्दुस्तान के युवा सुबह उठ कर अलग-अलग परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन जब आपने 'अग्निवीर' लागू किया तब आपने उन युवाओं का अंगूठा काटा।' 'किसानों का अंगूठा काटा गया है। उद्योगपतियों को अनुचित लाभ पहुंचा कर देश का अंगूठा काटने का काम किया जा रहा है।' चर्चा में हिस्सा लेते हुए सपा नेता अखिलेश यादव ने अल्पसंख्यकों से भेदभाव का आरोप लगाया। इसका तीव्र प्रतिवाद करते हुएसंसदीय कार्यमंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर किसी को भी ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जिससे देश की छवि को नुकसान पहुंचे। कहा, ह्यकभी-कभी ऐसी बात की जाती है कि मानो अल्पसंख्यकों को कोई अधिकार ही नहीं है।' बेशक, भारत के संविधान की 75 वर्षों की यात्रा गौरवपूर्ण रही है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तल्खी इसके अनुरूप नहीं है। सत्ता पक्ष को हमेशा से लगा है कि प्रतिपक्ष अपनी भूमिका से न्याय नहीं कर रहा तो विपक्ष को हमेशा ही लगा है कि सत्ता पक्ष उसकी सुन नहीं रहा। इस सारी खींचतान में संसद की कार्यवाही इस तरह बाधित होती है कि किसी अपराधपूर्ण कृत्य से कम नहीं प्रतीत होती। न तो सत्ता पक्ष को भान होता है कि संसद की कार्यवाही में व्यवधान देश के नागरिकों के धन का अपव्यय है, और न ही विपक्ष इस बात को समझने को तैयार है कि उसे रचनात्मक विपक्ष की भूमिका का निवर्हन करना है। सरकार को घेर कर जवाबदेह बनाने का मतलब कदापि यह नहीं हो सकता कि हो-हल्ला और शोर-शराबा करके सदन का बेशकीमती समय और देशका धन बर्बाद कर दिया जाए। संविधान की यात्रा का 75वां वर्ष अवसर है जब पक्ष-विपक्ष संकल्पबद्ध हों कि सदन के कामकाज को किसी सूरत बाधित नहीं होने देंगे। तभी संविधान का मर्म और भावना चोटिल होने से बची रह सकेगी।

चिंतन-मनन

प्रकृति की तीन शक्तियां

प्रकृति में तीन शक्तियां हैं- ब्रह्म शक्ति, विष्णु शक्ति और शिव शक्ति। प्रायः तुममें कोई भी एक शक्ति अधिक प्रबल होती है। ब्रह्म शक्ति वह ऊर्जा है जो नव-निर्माण करती है; विष्णु शक्ति ऊर्जा का पालन करती है और शिव शक्ति वह ऊर्जा है जो रूपांतरण करती है- नया जीवन देकर या संहार कर। तुममें से कुछ हैं जिनमें ब्रह्म शक्ति प्रबल है। तुम सृष्टि तो कर सकते हो, पर अपनी रचना को सुरक्षित नहीं रख पाते। हो सकता है तुम तुरंत ही नए मित्र बना लो, परंतु वह मित्रता अधिक समय तक टिकती नहीं। तुममें कुछ और लोग हैं जिनमें विष्णु शक्ति है। तुम रचना नहीं कर सकते, परंतु जो है उसे अच्छी तरह संभालकर रखते हो। तुम्हारी सभी पुरानी दोस्ती बहुत स्थायी होती है, परंतु तुम नए मित्र नहीं बना पाते। और तुममें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें शिव शक्ति प्रबल है। वे नव-जीवन लाते हैं या रूपांतरण, या जो है उसे खत्म करते हैं। गुरु शक्ति में ये तीनों शक्तियां पूर्ण रूप से प्रफुल्लित हैं। पहले यह पहचानो कि तुममें कौन-सी शक्ति प्रबल है और फिर गुरु शक्ति की आकांक्षा करो, प्रार्थना करो। संपूर्ण सृष्टि सरलता और बुद्धिमत्ता के मंगलमय लय से प्रकृति के नियमों पर चल रही है। यही मंगल ही दिव्यता है। शिव वह सामंजस्यपूर्ण सरलता है जो कोई नियंत्रण नहीं जानती। शिव का विपरीत है वशी, यानी नियंत्रण। नियंत्रण मन का होता है। नियंत्रण का अर्थ है दो, द्वैत, कमजोरी। वशी का अर्थ है स्वाभाविकता से कुछ करने के बजाए दबाव द्वारा कुछ करना। प्रायः लोग समझते हैं कि उनका जीवन, परिस्थितियां उनके नियंत्रण में, उनके वश में हैं; परंतु नियंत्रण एक भ्रम है, मन में क्षणिक ऊर्जा का दबाव नियंत्रण है। यह है वशी। शिव इसका विपरीत है। शिव ऊर्जा का स्थाई और अनंत स्रेत है, सत्ता की अनंत अवस्था, वह एक जिसका कोई दूसरा नहीं। द्वैत भय का कारण है और वह सामंजस्यपूर्ण सरलता द्वैतवाद को विलीन करती है। जब एक क्षण पूर्ण है, संपूर्ण है; तब वह क्षण दिव्य है। वर्तमान क्षण में होने का अर्थ है- न भूतकाल का पछतावा, न भविष्य की कोई मांग। समय रुक जाता है, मन रुक जाता है। तुम्हारे शरीर के प्रत्येक कोष में पांचों इंद्रियों की क्षमता है। आंखों के बिना तुम देख सकते हो, दृष्टि चेतना का अंश है; इसीलिए स्वप्न में तुम आंखों के बिना देख सकते हो।

सुस्त विकास और महंगाई की चुनौती

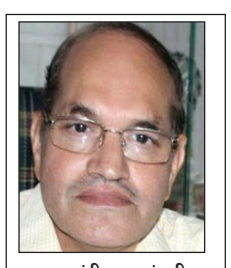

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 11 दिसंबर को भारतीय रिजर्व बैंक के नव नियुक्त 26वें गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वह महंगाई नियंत्रण और विकास दर के बीच उपयुक्त संतुलन बनाने की डगर पर आगे बढ़ेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम काम करने की कोशिश करेंगे। गौरतलब है कि यद्यपि 12 दिसंबर को घोषित आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर घटकर 5.8 फीसदी रह गई है, फिर भी यह रिजर्व बैंक के महंगाई के तय दायरे से अभी काफी ऊपर बनी हुई है। ऐसे में इस समय देश में धीमी विकास दर और महंगाई की चुनौती का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसके पहले अप्रैल से जून की पहली तिमाही में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस सुस्त विकास दर के परिदृश्य से प्रभावित हुए बिना हाल ही में 6 दिसंबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में विकास दर बढ़ाने के लिए ब्याज दर में कमी नहीं करते हुए महंगाई नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने लगातार 11वीं बार ब्याज दर यानी नीतिगत दर (रेपो) में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। रेपो वह ब्याज दर है जिस पर कमर्शियल बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए इस दर का उपयोग करता है।

हालांकि अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाने के मकसद से रिजर्व बैंक ने कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) को 4.5 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत कर दिया। इस कदम से बैंकों में 1.16 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। इससे बैंकिंग क्षेत्र में नकदी की स्थिति में सुधार होगा। ज्ञातव्य है कि सीआरआर के तहत कमर्शियल बैंकों को अपनी जमा का एक निर्धारित हिस्सा कैश रिजर्व के रूप में रिजर्व बैंक के पास रखना होता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में आरबीआई ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के अनुमान को भी 4.5 प्रतिशत बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिसंबर 2024 की मौद्रिक नीति के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कहा था कि निकट भविष्य में, कुछ नरमी के बावजूद, खाद्य कीमतों पर दबाव बने रहने से चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुख्य महंगाई के ऊंचे स्तर पर बने रहने की संभावना है। उन्होंने कहा था कि महंगाई के मद्देनजर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अभी बांड प्रतिफल में वृद्धि, जिन्स कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम जैसी कई तरह की बाधाएं हैं। साथ ही आयात शुल्क में वृद्धि और वैश्विक कीमतों में वृद्धि के बाद घरेलू खाद्य तेल की कीमतों की बदलती दिशा पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। दास ने कहा था कि रिकॉर्ड खरीफ उत्पादन के अनुमान से चावल और तुअर दाल की बढ़ी हुई कीमतों में राहत मिलेगी। सब्जियों की कीमतों में भी सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आगे चलकर, खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के लिए एक अच्छा रबी सीजन महत्वपूर्ण होगा। प्रारंभिक संकेत पर्याप्त मिट्टी की नमी और जलाशय के स्तर की ओर इशारा करते हैं, जो रबी की बुवाई के लिए अनुकूल है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में विकास दर बढ? की उम्मीद है। निःसंदेह आरबीआई के द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा के तहत महंगाई नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाना सही कदम है।

वस्तुतः पिछले दो महीनों अक्टूबर-नवंबर 2024 में महंगाई दर के बढ? की स्थिति आश्चर्यचकित करने वाली रही है। पिछले माह आरबीआई ने 2 से 11 नवंबर, 2024 को परिवारों को महंगाई को लेकर कैसी उम्मीदें हैं, इस विषय पर सर्वेक्षण कराया था। आरबीआई के सर्वेक्षण से यह अंदाजा मिलता है कि सितंबर 2024 के चरण की तुलना में नवंबर के सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों में एक बड़े वर्ग को ऐसा लगता है कि नए साल 2025 में कीमतें और महंगाई दोनों ही बढ़ेंगी। यह बढ़ोतरी मुख्य तौर पर खाद्य वस्तुओं और घर से जुड़े खर्चों के बढ़ते दबाव की वजह से होगी। इस बीच उपभोक्ता आत्मविश्वास सर्वेक्षण से यह अंदाजा मिला है कि सर्वेक्षण के प्रतिभागियों की मौजूदा कमाई की धारणा में भले ही कमी आई हो, लेकिन उन्हें इस बात की बड़ी उम्मीद है कि भविष्य में आमदनी बढ़ेगी, रोजगार की स्थिति में भी सुधार आएगा। परिवारों को ऐसा लगता है कि एक साल की अवधि के दौरान बेहद जरूरी और गैर-जरूरी खर्च बढ़ेंगे। हालांकि उन्होंने आगे के वर्ष के लिए कीमतों को छोडकर प्रमुख आर्थिक मापदंड के लिए अधिक आशावादी होने के संकेत दिए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले माह 15 नवंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में भारत में महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की सराहना की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई में कम अवधि की तेजी के बावजूद आने वाले महीनों में महंगाई दर रिजर्व बैंक के द्वारा निर्धारित लक्ष्य की ओर पहुंचेगी, क्योंकि ज्यादा बोआई और पर्याप्त अनाज भंडार के कारण कीमतों में कमी आएगी। चूंकि भू-राजनीतिक तनावों और मौसम की स्थिति खराब होने पर महंगाई दर बढ? का जोखिम भी बना हुआ है, अतएव इसी कारण नीतिगत ढील को लेकर रिजर्व बैंक सावधानी बरत रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में महंगाई के बीच भी अर्थव्यवस्था अच्छे दौर में है। रेटिंग एजेंसी ने वर्ष 2024 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उसके बाद 2025 और 2026 में क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस समय जब खाद्य पदार्थों की तेजी से बढ़ती महंगाई के नियंत्रण और विकास की जरूरतों के बीच उपयुक्त तालमेल किया जा रहा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा 12 नवंबर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढकर 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। निःसंदेह खाद्य पदार्थों की महंगाई रोकने के लिए सरकार के द्वारा तात्कालिक उपायों के साथ दीर्घकालीन उपायों पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी होगा। इस समय ग्रामीण भारत में जल्द खराब होने वाले ऐसे कृषि उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला बेहतर करने पर प्राथमिकता से काम करना होगा, जिनकी खाद्य महंगाई के उतार-चढ़ाव में ज्यादा भूमिका होती है। ऐसे में सरकार को खाद्य उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ कृषि उपज की बबार्दी को रोकने के बहुआयामी प्रयासों के तहत खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग की कारगर व्यवस्था की डगर पर बढ?ा होगा। हम उम्मीद करें कि रिजर्व बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा सरकार के साथ रिजर्व बैंक के विभिन्न समन्वित रणनीतिक प्रयासों से देश में महंगाई को नियंत्रित करने और सुस्त विकास दर को बढ़ाने के परिप्रेक्ष्य में नई रणनीति के साथ आगे बढ़ेंगे।

(विख्यात अर्थशास्त्री)

मेट्रो केबल : चोरी में तकनीक का इस्तेमाल

भगवती प्रसाद ड़ोभाल

पिछले वर्ष से चोरों ने अपनी आजीविका का नया फामूर्ला ईजाद कर लिया है। बेरोजगारी में चोरों ने दिल्ली की लाइफलाइन को अपना रोजगार बना लिया है। चोरों को इससे यह चिंता नहीं हुई कि मेट्रो से सफर करने वालों को तकलीफ झेलनी पडक्ेगी। सारे दिल्ली के ऑफिसों में काम करने वाले लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए सुबह काम पर जाते वक्त जगह-जगह जाम झेल रहे थे, कारण था मेट्रो के केबल चोरों ने रात में ही उन केबलों को काट दिया था जिनसे मेट्रो अपना रास्ता तय करती है। इस कारण वे अपने ऑफिस समय पर नहीं पहुंच सके। इतना ही नहीं, जिन्हें बाहर जाना था-उनकी ट्रेनें और फ्लाइटें भी मिस हुई।

इस काम के लिए फिलहाल मेट्रो की ब्ल्यू लाइन पर लगातार धावा बोला गया। हालांकि बहुत समय बाद पुलिस को सफलता मिली है। इन केबल चोरों को पकडक्ने और इन घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग के सदस्यों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया है। बीते दिनों मेट्रो ट्रैक पर केबल चोरी होने से केबल और चोरी में इस्तेमाल गाड़ियों को पुलिस ने बरामद कर दिया है। यह काम बहुत समय बाद हुआ है। इससे पूर्व चोरों ने मेट्रो लाइन को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पता चला कि कीर्ति नगर और मोती नगर मेट्रो स्टेशन के बीच सिग्नलिंग केबल चोरी होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस और डीएमआरसी अधिनियम की धारा 74 के तहत मामला दर्ज किया था। इस वारदात में शामिल गिरोह के 11 में से चार 4 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई 55 मीटर लंबी केबल, टाटा एस लोडर वाहन और दो मोबाइल फोन बरामद किए थे। घटना स्थल से पता चला कि वहां पर 140 मीटर लंबी केबल काटी गई थी। यह केबल मेट्रो ट्रेनों की लोकेशन का पता लगाने और ट्रैक सर्किट को डेटा भेजने के लिए उपयोग की जाती है। मेट्रो के परिचालन के लिए उपयोग में होने वाले इस केबल की कीमत लाखों में होती है। इसी कारण चोरों को इसको प्राप्त करने से काफी मुनाफा होता है।

वर्ष 2020-22 के दौरान केबल चोरी होने के बहुत सारी घटनाएं हुई हैं। 2020 में 54 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2021 में 57 और 2022 में 63 मामले सामने आए थे। इन मामलों में चोरों तक पहुंचने में पुलिस मुस्तैद नहीं दिखी थी। इस कारण चोरों के हौसले बुलंदी पर थे। मेट्रो केबल तांबे से बने होते हैं, यह काफी महंगी धातु है, बहुत सारे उद्योगों में तांबे की भारी मांग है, इसलिए इसको बेचने में आसानी है। इन केबलों का नेटवर्क मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों के बीच बिछाया जाता है। यह जटिल नेटवर्क होता है। विशेषकर रात के समय या फिर जहां पर सुरक्षा कम हो, वहां पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह केबल मेट्रो रेल सिस्टम की जीवनरेखा होता है। यह मोटी इंसुलेटेड तार होती है, जो मेट्रो ट्रेनों की बिजली, संचार और नियंत्रण संकेत प्रदान करती है। केबल की चोरी होने पर मेट्रो सिस्टम की तीन मुख्य प्रणालियां- पावर, संचार और सिग्नल-ठप हो जाती हैं। मेट्रो के संचालन के लिए इन तीनों का सुचारु रूप से काम करना जरूरी है। डीएमआरसी से मिली जानकारी के अनुसार केबल चोरी आम तौर पर रात साढ्े बारह बजे से सुबह चार बजे के बीच होती है। इस समय मेट्रो सेवाएं बंद होती हैं।

चोर सेवा बंद होने के बाद रात में वियाडक्ट में घुसते हैं। वे केबल काटते हैं, और उसे नीचे अपने साथियों के पास फेंक देते हैं। फिर भाग जाते हैं। यह मेट्रो स्टेानों पर नहीं, बल्कि वियाडक्ट पर होता है। अधिकारी के अनुसार केबलों पर स्टील की परत होती है, लेकिन उनमें ज्यादातर तांबा होता है। यह चोरों के लिए कीमती होता है। चोर पटरियों तक अपनी पहुंच समूह में काम करके बनाते हैं। रस्सियों का इस्तेमाल करके मेट्रो की पटरियों तक पहुंचते हैं। कभी-कभी वे अपने साथियों की मदद से या पेड़ की शाखाओं का इस्तेमाल करके पटरियों पर चढ़ते हैं। पटरियों पर चढ़ने के बाद कीमती केबल काट लेते हैं। केबल काटने के बाद पटरियों पर मौजूद व्यक्ति उसे जमीन पर अपने साथियों के पास फेंक देता है। साथी तुरत-

फुरत में केबल उठा लेते हैं, और उसे पास की झाड़ियों में छिपा देते हैं, या किसी गाड़ी में लाद देते हैं। फिर वह व्यक्ति रस्सी के सहारे पटरियों से नीचे उतर जाता है। पुलिस का यह भी मानना है कि चोर अक्सर नाबालिगों को अपराध करने के लिए काम पर रखते हैं, क्योंकि वे आसानी से चढ़ कर तार काट सकते हैं। यह भी संज्ञान में आया कि बाजार में केबल 500 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से बिकता है। केबल चोरी के इस तरीके ने बेरोजगारों को प्रेरित किया है। प्रशासन को चाहिए कि अधिक से अधिक रोजगार की संभावनाओं को युवाओं के सामने रखे। ऐसा करके ही युवाओं के लिएसम्मानजनक रोजगार मुहैया कराना संभव हो सकेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यासमीन कराचीवाला ने दुल्हनों के लिए बताये शादी के दिन सबसे खूबसूरत दिखने के टिप्स

मुंबई। हर दुल्हन की ख्वाहिश होती है कि वह अपनी शादी के दिन सबसे खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरी नजर आए, और यह पूरी तरह से सही है। हालांकि, शादी की तैयारियों में ढेर सारे कामों के बीच खुद की सेहत और फिटनेस अक्सर पीछे रह जाती है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि थोड़ा सा ध्यान और सही दिशा में किया गया प्रयास आपको न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी तैयार कर सकता है फिटनेस कोच और पिलेट्स एक्सपर्ट यासमीन कराचीवाला अपनी कुछ खास टिप्स शेयर कर रही हैं, जिनकी मदद से हर दुल्हन खुद को आत्मविश्वास से भरपूर और दमकता हुआ महसूस कर सकती है- समझदारी से खाने का मतलब यह बिल्कुल भी नहीं कि आप भोजन करना छोड़ दें या क्रैश डाइटिंग करें। बल्कि, आपको एक संतुलित आहार अपनाना चाहिये, जिसमें आवश्यक पोषक तत्व हों। स्मार्ट स्नैकिंग के लिए कैलिफोर्निया आमंड एक बेहतरीन विकल्प हैं। 200 से ज्यादा प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार, बादाम में 15 पोषक तत्व जैसे विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। कैलिफोर्निया आमंड विशेष रूप से प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, जो न केवल ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि मांसपेशियों के विकास और रखरखाव में भी मदद करता है। आप बादाम को भूनकर खा सकती हैं या इन्हें भारतीय मसालों/स्पाइस के साथ मिला सकते हैं। क्योंकि बादाम ऊर्जा का खजाना हैं, ये आपको एनर्जी से भरपूर महसूस कराएंगे।

खुलते ही पूरा भर गया था आईपीओ, 51 प्राइस बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स के मार्केटिंग और डिस्ट्रिब्यूशन में सक्रिय कंपनी हैम्प्स बायो लिमिटेड का आईपीओ 13 दिसंबर को निवेश के लिए ओपन हुआ था। यह इश्यू 17 दिसंबर को बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 51 रुपये तय किया गया है। इस एसएमई इश्यू को पहले दिन पूरी तरह से सब्सक्राइब किया गया था। पहले ही दिन इसको 10.61× सब्सक्राइब कर लिया गया था। शेयर आवंटन 18 दिसंबर को किया जाएगा। सफल बोलीदाताओं के डीमैट खाते में हैम्प्स बायो शेयरों का क्रेडिट किया जाएगा। हैम्प्स बायो लिमिटेड के शेयर 20 दिसंबर को बीएसई एसएमई पर लिस्ट होने की उम्मीद है।

इन्वेस्टरगेन के अनुसार, हैम्प्स बायो के शेयर ग्रे मार्केट में 40 रुपये प्रति शेयर प्रीमियम पर हैं। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग कीमत 91 रुपये होगी। यानी लिस्टिंग पर करीबन 79 प्रतिशत का मुनाफा हो सकता है।

क्या ई डिटेल- हैम्प्स बायो आईपीओ का प्राइस बैंड 51 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। रिटेल निवेशकों को एक लॉट में कम से कम 2,000 शेयर खरीदने होंगे, जिससे न्यूनतम निवेश राशि 1,02,000 रुपये हो जाएगी। बिगशेयर सर्विसेज प्रा. को हैम्प्स बायो आईपीओ के लिए रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। मारवाड़ी चंदराना इंटरमीडियरीज ब्रोकर्स प्रा. इश्यू और प्योर ब्रोकी के बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में कार्य कर रहे हैं।

हैम्प्स बायो लिमिटेड व्यवसाय और वित्तीय हैम्प्स बायो लिमिटेड 50 से अधिक वितरकों और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के नेटवर्क के माध्यम से टैबलेट, सिरप, कैप्सूल, इंजेक्शन, तेल और पोषण संबंधी पूरक सहित फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स का डिस्ट्रिब्यूशन करता है। इन प्लेटफार्मों में अमेजन (यूएस, कनाडा, ईयू), फ्लिपकार्ट और जियो मार्ट शामिल हैं। फार्मा उत्पाद भारत भर के आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बेचे जाते हैं।

बिहार में जहानाबाद की सीमा सिंह को जानते हैं, जिन्होंने मुंबई के वर्ली में 185 करोड़ का अपार्टमेंट खरीदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महंगे प्रॉपर्टी का सबसे बड़ा बाजार है मुंबई। वहां 3-4 सौ करोड़ रुपये के फ्लैट बिकने की ऐसे खबर आती है, जैसे यहां महंगे हीरे के हार बिकने की खबर आती है। अभी पिछले दिनों ही मुंबई के वर्ली इलाके में रियल एस्टेट का एक बड़ा सौदा हुआ है। यह सौदा अलकेम लैबोरेटरी लिमिटेड के प्रमोटर परिवार की बहू सीमा सिंह ने किया है।

कौन हैं सीमा सिंह- महाराष्ट्र की एक दवा कंपनी है अल्केम लैबोरेटरीज। इसके प्रमोटर हैं बिहार में जहानाबाद के रहने वाले संप्रदा सिंह और उनके छोटे भाई बासुदेव नारायाण सिंह। इस परिवार की दूसरी पीढ़ी के सदस्य हैं मृत्युंजय सिंह। उनकी पत्नी हैं सीमा सिंह। आजकल सीमा सिंह सुर्खियों में हैं। उनकी सुर्खियों में रहने की वजह है कि उन्होंने मुंबई के वर्ली में एक आलीशान

सी-व्यू अपार्टमेंट खरीदा है। इसके लिए 185 करोड़ रुपये की भारी भरकम रकम चुकाई गई है।

कौन है इस प्रोजेक्ट का डेवलपर- मुंबई का वर्ली सी फेस पर बन रहे एक सुपर-प्रीमियम रेजिडेंशियल टावर बन रहा है। इसका नाम है लोढ़ा सी फेस। इसी प्रोजेक्ट में सीमा सिंह ने 185 करोड़ रुपये का एक आलीशान सी-व्यू अपार्टमेंट खरीदा है। यह सौदा इस साल मुंबई के दूसरे सबसे बड़े लग्जरी अपार्टमेंट सौदे के रूप में दर्ज हुआ है। सिंह ने यह अपार्टमेंट प्रोजेक्ट डेवलपर मैक्रोटेक डेवलपर्स से सीधे खरीदा है। इस डील में उन्हें 9 कार पार्किंग स्लॉट भी मिलेंगे।

सीमा सिंह ने जो अपार्टमेंट खरीदा है, वह टावर की 30वीं मंजिल पर स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल 14,000 वर्ग फुट है। यह अपार्टमेंट अरब सागर का खूबसूरत नज़ारा पेश करता है। लोढ़ा सी फेस मुंबई के सबसे पॉश इलाकों में से एक, वर्ली सी फेस पर स्थित है। यह इलाका अपने आलीशान अपार्टमेंट्स और ऊंची इमारतों के लिए जाना जाता है।

कोई नया नहीं है यह महंगा सौदा

हमें-आपको यह सौदा भले ही बेहद महंगा लग रहा हो। लेकिन मुंबई के पॉश इलाकों में यह आम है। इसी साल अप्रैल में मुंबई के मालाबार हिल स्थित लोढ़ा मालाबार में 270 करोड़ रुपये में एक प्रॉपर्टी का सौदा हुआ था, जो इस साल का सबसे बड़ा लग्जरी अपार्टमेंट सौदा था। वहीं, देश का अब तक का सबसे महंगा सौदा 2023 में हुआ था, जब गर्भनिरोधक निर्माता फेमी केयर के संस्थापक, उद्योगपति जेपी तपरिया के परिवार ने मालाबार हिल में ही उसी टावर में 369 करोड़ रुपये से अधिक में एक सी-व्यू लग्जरी ट्रिप्लेक्स अपार्टमेंट खरीदा था। ये सभी सौदे मुंबई के रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को दर्शाते हैं।

महाराष्ट्र में महिलाओं को छूट

महाराष्ट्र सरकार ने साल 2021 में महिला होमबायर्स के लिए स्टांप ड्यूटी में 1 प्रतिशत की छूट की घोषणा की थी। इस योजना के तहत, एक महिला होमबायर को मुंबई में सौदे के रजिस्ट्रेशन के लिए 5 प्रतिशत स्टांप ड्यूटी देनी होती है। इसी योजना का लाभ उठाते हुए, सीमा सिंह ने 9.25 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया।

मुंबई देश का सबसे महंगा प्रॉपर्टी मार्केट

मुंबई, देश का सबसे बड़ा और सबसे महंगा प्रॉपर्टी मार्केट, प्रॉपर्टी सौदों के मामले में लगातार रिकॉर्ड बना रहा है। दक्षिण और मध्य मुंबई, जहाँ भारत के सबसे महंगे अपार्टमेंट हैं, इस प्रदर्शन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन माइक्रो मार्केट्स में उद्योगपतियों, शीर्ष कॉर्पोरेट अधिकारियों, अभिनेताओं और खेल हस्तियों से जुड़े कई बड़े सौदे हुए हैं। यह ट्रेंड आने वाले समय में भी जारी रहने की उम्मीद है।

रजिस्ट्री के लिए चुकाई 9.25 करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी

सीमा सिंह ने हाल ही में कंपनी में अपनी 0.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के 3.58 लाख से अधिक शेयर बेचे थे। इससे उन्हें 177 करोड़ रुपये मिले। उसमें कुछ और रकम मिला कर यह अपार्टमेंट खरीदा गया है। इस सौदे की रजिस्ट्री बीते बुधवार को मुंबई में हुई। इसकी रजिस्ट्री के लिए सीमा सिंह ने 9.25 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई है। यह खबर हमारे सहयोगी ईटी द्वारा एक्सेस किए गए रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स से मिली है।

लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े रईस है कार्लोस स्लिम

स्लिम के माता-पिता लेबनॉन से मेक्सिको आए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स पर नजर डालें तो वहां भारत के दो रईसों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच आपको मेक्सिको के अरबपति कार्लोस स्लिम का नाम दिखेगा। कार्लोस स्लिम लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े रईस हैं। उनकी नेटवर्थ 85.4 अरब डॉलर है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अंबानी से एक स्थान नीचे और अडानी से एक स्थान ऊपर 18वें नंबर पर हैं। स्लिम के पास लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी मोबाइल फोन ऑपरेटर कंपनी में कंट्रोलिंग स्टेक है।

कार्लोस स्लिम हेलू का जन्म 1940 में मेक्सिको सिटी में हुआ था। उनके माता-पिता लेबनॉन से आकर मेक्सिको में बसे थे। उन्होंने 1961 में मेक्सिको स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की नेशनल ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। 25 साल की उम्र में उन्होंने अपनी कंस्ट्रक्शन कंपनी शुरू की और 1980 के दशक में मेक्सिको के कर्ज संकट के दौरान टोबैको, कॉपर और माइनिंग में जमकर निवेश किया। साथ ही उन्होंने 1990 के दशक में रेस्टोरेंट एंड रिटेल चेन सैनबोर्न हरमनोस को भी खरीद लिया। इसी दौरान उन्होंने सरकारी टेलिकॉम कंपनी टेलमैक्स और वायर एंड फाइबर-ऑप्टिक केबल बनाने वाली कंपनी ग्रुपो कंडुमेक्स को भी अपनी झोली में डाल लिया।

मौके पर चौका- पिता का कारोबार संभालने के उन्होंने स्टॉक ट्रेडर के तौर पर काफी मेहनत की। 25 की उम्र में उनके पास 30 लाख डॉलर की बड़ी राशि आई। मेक्सिको में कर्ज संकट और तेल की कमी उनके लिए एक बड़ी संभावना बनकर आई। पैसा बहुत तेजी से देश के बाहर जा रहा था। मौके का लाभ उठाते हुए उन्होंने काफी कम कीमत में कई कंपनियां खरीदीं। फिर उन्होंने इन कंपनियों को मुनाफे में लाकर बेच दिया। स्लिम इसे ही अपनी सफलता का राज मानते हैं।

कैसे मिली सफलता

एक दशक बाद उन्होंने अमेरिकन मोविल के बैनर तले पूरे लैटिन अमेरिका में मोबाइल फोन ऑपरेशंस को खरीदा। 2011 में उन्होंने इसे टेलमैक्स में मर्ज कर दिया। स्लिम की साथ ही कई कमर्शियल बैंकों और एनर्जी कंपनियों में भी हिस्सेदारी है। अपनी फैमिली इनवेस्टमेंट कंपनी ग्रुप कारसो के जरिए उन्होंने मेक्सिको की कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में भी निवेश किया है। स्लिम की वेल्थ में बड़ा हिस्सा पब्लिकली ट्रेडेड कंपनियों से आता है। उनकी आधी दर्जन से अधिक पब्लिक कंपनियों में हिस्सेदारी है जिनसे उन्हें डिविडेंड मिलता है। साल 2008 में उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स में भी 6.4 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी।

स्लिम ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बचपन से ही वह उद्यमी बनकर अपने पिता के काम में हाथ बंटाना चाहते थे। छोटी उम्र में ही उन्होंने पिता से बिजनस का ककहरा सीख लिया था। उनके पिता ने उन्हें फाइनेंस, मैनेजमेंट और अकाउंटिंग के बारे में बताया था। 11 साल की उम्र में उन्होंने गवर्नमेंट सेविंग्स बॉन्ड में निवेश किया, तो उन्हें पहली बार चक्रवृद्धि ब्याज के बारे में पता चला। 12 साल की उम्र में उन्होंने मैक्सिकन बैंक में पहला शेयर खरीदा था। जब वह 13 साल के थे तो उनके पिता की मृत्यु हो गई। पिता के कारोबार की जिम्मेदारियां उनके कंधों पर आ गईं। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग के साथ अर्थशास्त्र की भी पढ़ाई की ताकि कारोबार की बारीकियों को समझ सकें।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा; एफपीआई के आंकड़े भी आए सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,13,117.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई।

इस बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजार में वापसी की। दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये और अक्तूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी। दिलचस्प यह है कि सितंबर में एफपीआई का प्रवाह के लिए नौ माह के उच्चस्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

पहले बात करते हैं शेयर बाजार की

पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 623.07 अंक या 0.76 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 90.5 अंक या 0.36 प्रतिशत के लाभ में रहा।

इनका बाजार मूल्यांकन बढ़ा

- समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 47,836.6 करोड़ रुपये बढ़कर 9,57,842.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।
- इन्फोसिस की बाजार हैसियत 31,826.97 करोड़ रुपये बढ़कर 8,30,387.10 करोड़ रुपये रही।
- एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,887.78 करोड़ रुपये बढ़कर 14,31,158.06 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 11,760.8 करोड़ रुपये बढ़कर 9,49,306.37 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एफपीआई रिटर्न्स, दिसंबर में भारतीय शेयर मार्केट में 22,766 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार में वापसी की है। दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी। अक्टूबर की निकासी का आंकड़ा सबसे खराब रहा था।

दिलचस्प तथ्य यह है कि सितंबर में एफपीआई का प्रवाह के लिए नौ माह के उच्चस्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। यह विदेशी निवेशकों के निवेश के रुख में अस्थिरता को दर्शाता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, ताजा फ्लो के साथ 2024 में अबतक शेयरों में एफपीआई का निवेश 7,747 करोड़ रुपये रहा है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक, प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, आगे चलकर भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह कई प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगा। इनमें डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा राष्ट्रपति के रूप में लागू की गई नीतियां, मौजूदा मुद्रास्फीति और ब्याज दर की स्थिति और भू-राजनीतिक परिदृश्य शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर देश की प्रगति भी निवेशक धारणा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस महीने अबतक (13 दिसंबर तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसकी वजह यह है कि माना जा रहा है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक ब्याज दर में कटौती करेगा। वॉटरफील्ड एडवाइजर्स के वरिष्ठ निदेशक (सूचीबद्ध निवेश) विपुल भोवर ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को कम करके तरलता बढ़ाई है, जिससे निवेशकों की धारणा को बल मिला है।

कोका-कोला और जुबिलेंट भारतिया ग्रुप के बीच हुआ रणनीतिक निवेश समझौता

मुंबई, एजेंसी। कोका-कोला कंपनी ने आज विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक उपस्थिति वाले एक मल्टी-बिलियन समूह जुबिलेंट भारतिया ग्रुप के साथ एक अनुबंध की घोषणा की है। इसके तहत जुबिलेंट भारतिया ग्रुप ने हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड की मूल कंपनी है, जो भारत में कोका-कोला का सबसे बड़ा बॉटलर (एक ऐसी कंपनी या संगठन, जो पेय पदार्थों, खासकर कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का उत्पादन, पैकिंग और वितरण करता है) है।

कोका-कोला ने हमेशा ही उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है और अब भारत में उपलब्ध अवसरों में निवेश करके यह सतत् और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दे रहा है। भारत में कोका-कोला के स्थानीय स्वामित्व वाले फ्रेंचाइजी पार्टनर सफल परिणामों को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। जुबिलेंट भारतिया ग्रुप का यह निवेश कंपनी की निरंतर सफलता में योगदान करेगा और भारतीय बाजार में इसकी स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगा।

कोका-कोला इंडिया के प्रेसिडेंट संकेत रे ने कहा, ''हम भारत में कोका-कोला सिस्टम में जुबिलेंट भारतिया ग्रुप का स्वागत करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अपने अलग-अलग तरह के अनुभव के साथ, जुबिलेंट अपने दशकों के समृद्ध अनुभव को लेकर आया है, जो कोका-कोला सिस्टम को बढ़ावा देने में मदद करेगा और हमें बाजार में अग्रणी बने रहने में सक्षम बनायेगा। इसके साथ ही हमें स्थानीय समुदायों और ग्राहकों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।''

हिन्दुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस के सीईओ जुआन पाबलो रोड्रिग्ज़ ने कहा, ''यह रणनीतिक निवेश हमारे सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दिखाता है। जुबिलेंट भारतिया ग्रुप की विशेषज्ञता हमारी ताकत को और मजबूती देती है, जिससे हमने अपने हितधारकों को असाधारण मूल्य प्रदान करना जारी रखा है। साथ ही हम नवाचार और स्थायी रूप से प्रगति को बढ़ावा दे रहे हैं।

श्याम एस. भारतिया, फाउंडर व चेयरमैन और हरि एस. भारतिया, फाउंडर व को-चेयरमैन, जुबिलेंट भारतिया ग्रुप ने कहा, ''कोका-कोला कंपनी दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स में से कुछ का घर है, और हम उनके साथ जुड़कर उत्साहित हैं। साथ मिलकर हम कारोबार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के अवसरों का लाभ उठाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय उपभोक्ता कोका-कोला कंपनी के लोकप्रिय स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स का आनंद ले सकें।

ये बदलाव और निवेश कोका-कोला के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी ने दुनिया को तरोताज़ा करने और एक सकारात्मक बदलाव लाने के अपने उद्देश्य पर आगे बढ़ना जारी रखा है।

काइनैटिक ग्रीन ने अनूठेकार्यक्रमों से दी महिला सशक्तिकरण को नई दिशा

पुणे एजेंसी। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की अग्रणी कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने कार्यस्थल पर महिलाओं को सशक्त बनाने का संकल्प लिया है। कंपनी खासतौर पर नेतृत्व की भूमिकाओं और विनिर्माण कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी के विज़न से प्रेरित, काइनेटिक ग्रीन ऐसा माहौल तैयार कर रही है, जहां महिलाएं अपनी क्षमताओं को निखार सकें, नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकें और परिवहन के बेहतर भविष्य में अपनी भूमिका निभा सकें।

काइनैटिक ग्रीन ने हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे स्थित सूपा प्लांट में अपने'वर्ल्ड इन ए रूम' अभियान का समापन किया है। इससे सामुदायिक भागीदारी, प्लांट स्तर के अभियानों और नेतृत्व विकास के माध्यम से विविधता लाने का उनका संकल्प नजर आता है। इस कार्यक्रम के शीराइजऔर स्किलहर जैसे प्रमुख कार्यक्रम, महिलाओं को नेतृत्व के गुर सिखाते हैं और उन्हें विशेष प्रकार की ट्रेनिंग से लैस बनाते हैं। इसके साथ ही तकनीकी उन्नति को आगे बढ़ा रही महिलाओं को सम्मानित करने के लिए जयश्री फिरोदिया इनोवेशन अवॉर्ड की शुरुआत की गई है। साथ ही पुणे के प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने कार्यक्रम को जोश और आशाओं से भर दिया। यह दर्शाता है कि परिवहन उद्योग का भविष्य कितना उज्जवल और व्यापक है। सुश्री प्रतीक्षा टोंडवालकर (एसबीआई) और सुश्री अंजलि गुलाटी(पीपल कनेक्ट) सहित प्रतिष्ठित वक्ताओं ने प्रतिभा रणनीतियों में दृढ़ता और विविधता पर अपने विचारों से वहां उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। प्रमुख नेतृत्वकर्ताओं में श्री रंजीत कोंडेशन (सीएचआरओ), श्री धीरेंद्र सिंह(निदेशक, आरएंडडी), श्री सुंदरेश्वरन एस (निदेशक, विनिर्माण औरसंचालन) और श्री पंकज शर्मा (अध्यक्ष, 2-व्हीलर बिजनेस) ने इस बात की पुष्टि की है कि विविधता काइनैटिक ग्रीन के सिद्धांतों का अहम हिस्सा है। इससे नवचारों, सस्टेंबल विकास और एक उज्जवल भविष्य का रास्ता तय होता है। प्रबंधन के मध्यम तथा वरिष्ठ स्तर पर भूमिकाओं में महिलाओं की 40 प्रतिशत भागीदारी के साथ काइनैटिक ग्रीन, लिंग समानता को समर्पित है। साथ ही महिलाओं के नेतृत्व में अन्य महिलाओं को भर्ती करना समान अवसरों को सुनिश्चित करता है। सुश्री सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी के नेतृत्व में, काइनैटिक ग्रीन ने ना केवल कंपनी के अंदर महिलाओं की भूमिकाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, बल्कि ई-लूना में 100 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाली एसेंबली लाइन भी तैयार की है। इससे लिंग समानता और विनिर्माण में इनोवेशन को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता झलकती है। महिलाओं को सशक्त बनाने की काइनैटिक ग्रीन की सोच कंपनी के आंतरिक कार्यप्रणाली से काफी आगे की चीज है। कंपनी चाहती है कि उनके प्लांट में दोपहिया और तीनपहिया वाहनों तथा गोल्फ कार्ट्स एसेंबली लाइन में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंचे। इससे तकनीकी तथा विनिर्माण भूमिकाओं में महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

इसके साथ ही ये कंपनी महिला प्रतिभाओं को नेतृत्व देकर और फाउंडर्स तथा वरिष्ठ लीडर्स से जोड़कर उन्हें सशक्त बना रही है। कॅरियर के वैकल्पिक रास्ते और साल के मध्य में पारदर्शी मूल्यांकन, योग्य महिला लीडर्स को सहयोग प्रदान करता है और उन्हें सम्मानित करता है। काम करने के लचीले घंटे और विविधता तथा योग्यता को महत्व देने वाली भागीदारी की संस्कृति जैसे विकल्पों के माध्यम से यह वर्क-लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देता है। इसके साथ ही ये कंपनी व्यक्तिगत तथा पेशेवर रूप से महिलाओं को सहयोग देने के लिए स्वास्थ तथा तंदरुस्ती को भी प्राथमिकता देती है।

सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी, को-फाउंडर एवं सीईओ, काइनैटिक ग्रीनकहती हैं, इलेक्ट्रिक वाहनों का आना एक गेम-चेंजर की तरह है जो ना केवल सस्टेंबिलिटी के लिए है बल्कि कार्यबल में भागीदारी को लेकर भी है। ईवी क्षेत्र में क्रांति आने से नए तरह के कौशल और अनोखी सोच की मांग उठने लगी है, जिससे महिलाओं के लिए ऑटोमोटिव और विनिर्माण क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से अवसरों के दरवाजे खुल रहे हैं। काइनैटिक ग्रीन में हम ई-लूना में 100 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाली एसेंबली लाइन और स्किलहर जैसे अभियानों के साथ बदलाव का नेतृत्व करते हुए गर्व का अनुभव कर रहे हैं। इससे महिलाएं रोजगार केंद्रित ट्रेनिंग के साथ एसयूपीए क्षेत्र में सशक्त बन रही हैं। इसके साथ ही अपने साझेदारों के साथ काइनैटिक कम्युनिकेशन लिमिटेड और काइनैटिक इलेक्ट्रिक मोटर्स लिमिटेड एक सुदृढ़ व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जोकि इंटर्नशिप से लेकर लीडरशिप तक की भूमिकाओ में हर स्तर पर नारी प्रतिभा को निखारता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीसरा टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया के 445 के जवाब में भारतीय टीम ने 51 रनों पर ही चार विकेट गंवाये

गाबा (एजेंसी)। भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खराब शुरुआत रही है। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के पहली पारी के 445 रनों के जवाब में भारतीय टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 51 रनों पर ही अपने चार विकेट खो दिये। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम अभी भी 394 रनों से पीछे है , वहीं उसके पास छह विकेट हैं। मैच में अभी दो दिनो का खेल बाकि है। आज तीसरे दिन बारिश और खराब रौशनी के कारण खेल बार बार रुका जिससे कारण भी नुकसान हुआ । खेल तय समय से 45 मिनट पहले ही समाप्त घोषित करना पड़ा। तीसरे दिन केवल 33.1 ओवर का खेल हुआ। इस मैच में भी मेजबान टीम का शिकंजा सकता जा रहा है क्योंकि भारत का शीर्ष क्रम पेवेलियन लौट गया है। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 33 और रोहित शर्मा बगैर खाता खोले क्रीज पर। यशस्वी जायसवाल 4, शुभमन गिल 1,विराट कोहली 3 और ऋषभ पंत 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मेजबान टीम की ओर से मिचेल स्टार्क ने 2, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन पर बनाये। ट्रेविस हेड ने 152 और स्टीव स्मिथ ने 101 रन बनाए। एलेक्स कैरी ने 70 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा ने 21, नाथन मैकस्वीनी ने 9, मार्नस लाबुशेन 12, मिचेल मार्श ने 5 और पैट कमिंस ने 20 रन बनाए। मिचेल स्टार्क 18 और नाथन लियोन ने 2 रन बनाए। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 6, जबकि मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिये। आकाशदीप और नितीश कुमार रेड्डी भी 1-1 विकेट लेने में सफल रहे। इस मैच में भारतीय टीम ने दो बदलाव करते हुए रविंद्र जडेजा और आकाशदीप को शामिल किया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को शामिल किया है।

विश्व चैंपियन गुकेश का चेन्नई पहुंचने पर भव्य स्वागत

चेन्नई (एजेंसी)। विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश का सोमवार को यहां हवाई अड्डे पर सैकड़ों उत्सुक प्रशंसकों, तमिलनाडु सरकार और राष्ट्रीय महासंघ के अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। 18 वर्षीय गुकेश ने पिछले सप्ताह सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया और रूस के गैरी कास्परोव के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

स्वदेश लौटने पर गुकेश ने उनका समर्थन करने के लिए सभी का धन्यवाद किया। मीडिया और प्रशंसकों के बीच इस युवा खिलाड़ी को करीब से देखने के लिए लगी होड़ के बीच गुकेश ने कहा, 'यह शानदार है। आपके समर्थन ने मुझे बहुत ऊर्जा दी। विश्व चैंपियनशिप जीतना एक शानदार अहसास है।% महान विश्वनाथन आनंद के बाद गुकेश विश्व खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं। आनंद ने यहां अपनी अकादमी में इस किशोर के खेल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इंग्लैंड को लगा झटका, टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को फिर हैमस्ट्रिंग में लगी चोट

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा जब उसके टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच के दौरान एक बार फिर हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। इंग्लैंड क्रिकेट ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पुष्टि की कि स्टोक्स को टेस्ट सीरीज के अंतिम मैच के तीसरे दिन हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई।

स्टोक्स सेडन पार्क में न्यूजीलैंड के युवा खिलाड़ी रचिन रवींद्र को गेंदबाजी कर रहे थे, तभी उन्होंने अपनी हैमस्ट्रिंग को कसकर पकड़ लिया और उपचार के लिए मैदान से बाहर चले गए। अनुभवी ऑलराउंडर पूरे साल हैमस्ट्रिंग की चोटों से जूझते रहे हैं। अगस्त में द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। चोट के कारण वह अक्टूबर में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट से बाहर हो गए थे। चोट की प्रकृति अभी भी अज्ञात है, और यह देखना बाकी है कि स्टोक्स दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी करने आएंगे या नहीं।

स्टोक्स ने 12.2 ओवर फेंके जिसमें 4.20 की इकॉनमी से 52 रन दिए और दो विकेट चटकाए। दूसरी पारी में विल यंग और विलियम ओ%रुरके को आउट किया। पहली पारी में उन्होंने 24 ओवर फेंके, छह मेडन किए और 3.80 की इकॉनमी से 91 रन दिए। मैट हेनरी पहली पारी में उनका एकमात्र शिकार थे। स्टोक्स के आउट होने पर न्यूजीलैंड ने कुल 453 रन बनाए। पहली पारी में 204 रनों की बढ़त के साथ कीवी टीम ने मेहमानों को 658 रनों का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड ने पारी की शुरुआत में ही दोनों सलामी बल्लेबाजों जैक क्रॉली और बेन डकेट को खो दिया। मैट हेनरी ने क्रॉले (5) को स्टंप के सामने पिन करके इसका अनुसरण किया। तीसरे दिन के अंत में इंग्लैंड का स्कोर 18/2 हो गया और जीत से अभी भी 640 रन दूर था।

माफी चाहता हूं : न्यूजीलैंड / इंग्लैंड टेस्ट में बड़ा रिकॉर्ड चूकने पर बोले टिम साऊदी

खेल डैस्क । अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी ने न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्कों की उपलब्धि हासिल करने से चूकने पर निराशा व्यक्त की है। यह खेल हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में खेला जा रहा है। अपने विदाई टेस्ट में खेलते हुए साउदी ने पहली पारी में 3 छक्के लगाए, जिससे उनका कुल स्कोर 98 हो गया। हालांकि, जब वह न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में टेस्ट क्रिकेट में आखिरी बार बल्लेबाजी करने आए, तो साउदी 5 गेंदों पर 2 रन बनाकर आऊट हो गए। वह अगर 2 छक्के लगा लेते तो इस प्रारूप में 100 छक्के लगाने वाले चौथे क्रिकेटर बन जाते।

साउदी ने मैच के बाद स्वीकार किया कि जब वह बल्लेबाजी करने अंदर गए तो वह अधिक दबाव महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह एक अजीब एहसास था। बल्लेबाजी करते समय कभी इतना दबाव महसूस नहीं हुआ। लेकिन नहीं, यह अच्छा मजा था। लड़कों के लिए कुछ दिन बहुत अच्छे रहे। उन्होंने (मैकुलम) कुछ कहा - उन्हें ठीक से नहीं सुना। अच्छा लगा कि वह आखिरी बार भी यहां है। जब भी आप न्यूजीलैंड के लिए विकेट लेते हैं तो वह एक विशेष समय होता है।

उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, एक बच्चे के बड़े होने पर, एक विकेट लेने का अहसास हर समय नया होता है। यह ऐसा एहसास है जिसे मैं निश्चित रूप से याद करूंगा। यह मेरे जीवन

का बहुत बड़ा हिस्सा रहा है। मैं जो करने में सक्षम हूं उसे करना मेरे लिए सम्मान की बात है। उम्मीद है कि अगले कुछ दिन अच्छे रहेंगे, लेकिन मुझे यकीन है कि कुछ दिन भावनात्मक भी रहेंगे। 100 टेस्ट छक्के चूकने पर साउदी ने कहा कि निराश करने के लिए माफी चाहता हूं।

अपना 107वां टेस्ट खेल रहे साउथी ने 390 विकेट लिए हैं और 2,245 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 98 छक्के शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में वह केवल बेन स्टोक्स (133), ब्रेंडन मैकुलम (107) और एडम गिलक्रिस्ट (100) से पीछे हैं।

पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया, जैसन गिलेस्पी ने इस्तीफे के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को लताड़ा

सिडनी । आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जैसन गिलेस्पी ने सोमवार को पीसीबी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बोर्ड ने पूरी तरह से उन्हें अंधेरे में रखा जिसकी वजह से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। गिलेस्पी का करार 2026 तक का था लेकिन उन्होंने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि संवादहीनता के कारण उन्हें लगने लगा था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उनकी जरूरत नहीं है। गिलेस्पी ने कहा, 'चुनौतियां तो थी। मैं कुछ करने के इरादे से वहां गया था। मुझे पता था कि पाकिस्तान ने बहुत कम समय में बहुत सारे कोच बदले हैं। मैं चाहता था कि मुख्य कोच होने के नाते नियोक्ता से मेरा सीधा और स्पष्ट संवाद हो। मुझे हाई परफार्मेंस कोच नहीं रखने को लेकर पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया।' पीसीबी ने हाई परफार्मेंस कोच टिम नीलसन के करार का नवीनीकरण नहीं किया जिन्हें गिलेस्पी लेकर आए थे। गिलेस्पी ने कहा, 'टिम नीलसन को बताया गया कि उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है और मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले भी बहुत कुछ हुआ लेकिन इस घटना के बाद मुझे लगने लगा कि मेरी जरूरत है भी या नहीं।'

कोहली को तेंदुलकर की 241 रन की पारी को देखना चाहिए : गावस्कर

ब्रिसबेन । महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने सोमवार को भारत के सुपरस्टार विराट कोहली से कहा कि वह 2004 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंदुलकर की यादगार 241 रन की पारी से प्रेरणा लें और ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों के खिलाफ अपने लगातार संघर्ष को खत्म करने के लिए कवर ड्राइव खेलने से परहेज करें। ब्रिसबेन टेस्ट के बारिश से प्रभावित तीसरे दिन कोहली एक बार फिर असफल रहे जब जोश हेजलवुड ने उन्हें तीन के निजी स्कोर पर विकेट के पीछे कैच करा दिया। भारत ने तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किए जाने पर 51 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। गावस्कर ने कहा कि कोहली को 'अपने हीरो' तेंदुलकर से आगे देखने की जरूरत नहीं है जिन्होंने एससीजी में 33 चौकों की मदद से 436 गेंद पर 241 रनों की असाधारण पारी खेली थी जबकि वह भी 2003-04 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान विकेट के पीछे कैच आउट होने की समस्या से जूझ रहे थे। कोहली ने मौजूदा दौरे पर अब तक 05, नाबाद 100, 07, 11 और 03 रन की पारियां खेली हैं। तेंदुलकर की उस पारी को उनकी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक माना जाता है क्योंकि उन्होंने 10 घंटे से अधिक समय तक बल्लेबाजी की और ड्राइव करने की अपनी प्रवृति पर लगाम लगाई और अपने अधिकतर रन ऑन साइड पर बनाए।

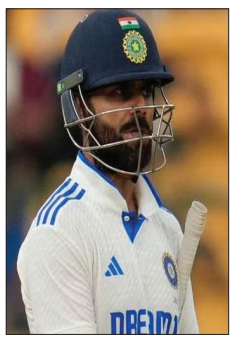

श्रेयस अय्यर ने सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतकर टीम इंडिया के लिए पेश की दावेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुम्बई ने रविवार को सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती। मुम्बई ने खिताबी मुकाबले में मध्य प्रदेश आसानी से हरा दिया। मुम्बई की इस जीत में श्रेयस की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज ने 345 रन बनाने साथ ही शानदार कप्तानी भी की। इसी के साथ ही श्रेयस ने इस साल अपनी कप्तानी में टीम को घरेलू क्रिकेट में दूसरा बड़ा टूर्नामेंट जिताकर एक बार फिर टीम इंडिया के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। इससे पहले श्रेयस की कप्तानी में कोलकाता नाइटराइडस ने खिताब जीत था। इसके अलावा ईरानी कप और रणजी ट्रॉफी में भी मुम्बई की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। अब माना जा रहा है कि वह आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स को खिताब जीता सकते हैं।

श्रेयस ने इस साल फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और ट्वंटी 20 तीनों फॉर्मेट में अपनी कप्तानी का को साबित किया है। इसी साल उन्होंने अपनी कप्तानी में केकेआर को चैंपियन बनाया था पर इसके बाद भी श्रेय न मिलने पर वह आईपीएल नीलामी में उतर गये।

सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद श्रेयस बेहद उत्साहित नजर आए। इस दौरान सोशल मीडिया पर क्रिकेट प्रशंसकों ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। खिताबी मुकाबले में मध्य प्रदेश ने पहले खेलते हुए कप्तान रजत पाटीदार के 81 रनों की बदौलत 174 रन बनाए थे। इसके बाद जीत के लिए मिला लक्ष्य मुंबई ने 18वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस ने 'कोर्न फेरी टूर' का कार्ड हासिल किया

पोंटे वेद्रा (फ्लोरिडा)। भारत के रेहान थॉमस ने 2025 के लिए 'कोर्न फेरी टूर' का कार्ड (प्रतियोगिता में भागीदारी) अर्जित किया है। 'कोर्न फेरी टूर' अमेरिका में आयोजित होने वाली पीजीए टूर से निचले स्तर की प्रतियोगिता है। दुबई में रहने वाले रेहान घरेलू टूर में भी विजेता रहे हैं। वह इस साल की शुरुआत में पेशेवर बने थे। पीजीए टूर क्वालीफाइंग स्कूल के अंतिम चरण में थॉमस ने 70-72-71-68 के राउंड से कुल एक ओवर 281 का कार्ड खेला और संयुक्त 26वें स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता के शीर्ष पांच में रहने वाले खिलाड़ियों ने पीजीए टूर के लिए क्वालीफाई किया। थॉमस 'कोर्न फेरी टूर' पर कम से कम 12 मुकाबलों में चुनौती पेश करेंगे। वह इस सत्र में इसमें भाग लेने वाले इकलौते भारतीय होंगे।

बीसीसीआई ने विजय हजारे ट्रॉफी खेलने तीन खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस बुलाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया गये तीन खिलाड़ियों को वापस बुलाया है। बीसीसीआई ने रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर भेजे गये तेज गेंदबाजों मुकेश कुमार, यश दयाल और नवदीप सैनी को जरुरत नहीं होने के कारण वापसी बुलाया है। इन तीनों तेज गेंदबाज को पहले तीन टेस्ट मैचों में एक बार भी खेलने का अवसर नहीं मिला है। तीनों गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में भी अवसर मिलना मुश्किल था। ऐसे में भारतीय बोर्ड ने इस गेंदबाजों को रिलीज करने का फैसला किया। बोर्ड ने इन तीनों को इसलिए पहले रिलीज किया जिससे वे भारत लौटकर विजय हजारे ट्रॉफी से पहले अभ्यास कर सकें। मुकेश कुमार को बंगाल की टीम ने शामिल किया है। मुकेश , नवदीप और यश के टीम इंडिया से रिलीज होने के बाद भी भारतीय टीम के पास 5 बतौर तेज गेंदबाज रहेंगे। इनमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं। मुकेश और नवदीप शुरूआत से ही भारतीय टीम के साथ थे। दोनों इंडिया ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे। मुकेश ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दोनों टेस्ट खेले खेलकर 11 विकेट लिए थे। नवदीप को केवल एक अभ्यास मैच में खेलने का अवसर मिला। वहीं यश दयाल को खलील अहमद की जगह टीम से जोड़ा गया था। खलील अहमद बिना खेले चोटिल होकर ऑस्ट्रेलिया से लौट आए थे। यश विजय हजारे ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश टीम में शामिल होंगे वहीं मुकेश बंगाल जबकि सैनी दिल्ली की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे।

स्मृति और जेमिमा की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

मुम्बई । स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां वेस्टइंडीज को पहले टी20 मुकाबले में 49 रनों से हरा दिया। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मंधाना के 53 और जेमिमा के 73 रनों की सहायता से 4 विकेट पर ही 195 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से करिश्मा ने 18 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 146 रन ही बना पाई। वेस्टइंडीज की ओर से जोसेफ और डॉटिंन ने अच्छा प्रदर्शन किया पर वह अपनी टीम को जीत दिलाने में विफल रहीं। भारतीय टीम की ओर से तितास साधु ने 37 रन देकर 3 विकेट लिए। इस मैच में मंधाना ने उमा छेत्री के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 50 रन बनाये। उमा ने 24 रन बनाये। वहीं मंधाना ने 33 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्के लगाकर 54 रन बनाए। वहीं जेमिमा ने 35 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्के लगाकर सबसे अधिक 73 रनों की पारी खेली। इसके अलावा ऋचा घोष ने 20 जबकि कप्तान हरमनप्रीत ने 13 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज केवल 1 रन बनाकर पेवेलियन लौट गईं। इस दौरान कियाना जोसेफ ने डींड्रा डॉटिन के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। जोसेफ ने 33 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 49 रन बनाए तो वहीं, डॉटिंन ने 28 गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से 52 रन बनाए। जोसेफ और डॉटिंन के विकेट गिरते ही वेस्टइंडीज टीम की पारी ढह गयी। मध्यक्रम में केवल शबिका 15 ही रन बना पाई और स्कोर 20 ओवर में 146 तक ही पहुंच पाया। भारत की ओर से तितास ने 37 रन देकर 3 विकेट जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट लिए।

एक टीम के रूप में हम एक दूसरे पर सवाल नहीं उठाते : जसप्रीत बुमराह

बेंगलुरू (एजेंसी)। ब्रिसबेन-जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में खराब दौर से जूझ रही भारतीय टीम का बचाव करते हुए अपने पर अतिरिक्त दबाव की बात को खारिज किया और कहा कि टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और अनुभवी होने के नाते अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाना उनका काम है। गाबा पर तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर गेंदबाजी का गलत फैसला लेने के बाद भारत ने बुमराह के छह विकेट के बावजूद मेजबान को पहली पारी में 445 रन बनाने दिए।

जवाब में वर्षाबाधित तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने चार विकेट 51 रन पर गंवा दिए थे। बल्लेबाजों की तकनीक और बुमराह के अलावा गेंदबाजों के स्तर पर इसके बाद सवाल उठने लगे हैं। बुमराह ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी के बारे में पूछने पर कहा, 'एक टीम के रूप में हम एक दूसरे पर सवाल नहीं उठाते। हम उस मानसिकता में नहीं पड़ना चाहते जहां एक दूसरे पर ऊंगली उठाई जाए।'

बदलाव के दौर से गुजर रहे

उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के रूप में बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। नए खिलाड़ी आ रहे हैं और क्रिकेट खेलने के लिए यह सबसे आसान जगह नहीं है। विकेट अलग तरह की है और माहौल अलग है।' अब तक इस श्रृंखला में 18 विकेट ले चुके बुमराह ने कहा, 'गेंदबाजी ईकाई के तौर पर हम बदलाव के दौर में है लिहाजा दूसरों की मदद करना मेरा काम है। मैने दूसरों से अधिक क्रिकेट खेली है तो मैं उनकी मदद की कोशिश कर रहा हूं।'

नए खिलाड़ियों को थोड़ा समय देना होगा : बुमराह

उन्होंने कहा, 'हम सभी सीखने की कोशिश कर रहे हैं और प्रदर्शन बेहतर होगा। सफर में इन सब चीजों से गुजरना होता है।' बुमराह ने इन खबरों को भी खारिज किया कि पहली पारी में खराब स्कोर से गेंदबाजों और उन पर अधिक दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास 11 खिलाड़ी हैं। मैं इसे ऐसे नहीं देखता कि मुझे ज्यादा काम करना है। हम एक नई टीम है और कई नए खिलाड़ी इसमें है। हमें उन्हें थोड़ा समय देना होगा। वे अनुभव से ही सीखेंगे।'

'मुझे हमेशा अलग-अलग चुनौतियां अच्छी लगती है'

उन्होंने कहा, 'कोई भी अनुभव साथ लेकर नहीं आता और ना ही कौशल के साथ पैदा होता है। आप सीखते जाते हैं और नए तरीके तलाशते हैं। आप अपने खेल के बारे में सीखते हैं।' भारतीय उप-कप्तान ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अलग अलग पिचों पर गेंदबाजी करने में उन्हें काफी मजा आया। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा अलग-अलग चुनौतियां अच्छी लगती है। पर्थ में विकेट अलग था और एडीलेड में गुलाबी गेंद के साथ विकेट अलग था। यहां का विकेट अलग है और रन अप लो है। भारत में हमें इसकी आदत नहीं है।'

अपेक्षाओं का बोझ नहीं लेते बुमराह

बुमराह ने कहा कि वह सफलता और विफलता को समान रूप से देखते हैं और अपेक्षाओं का बोझ नहीं लेते। उन्होंने कहा, 'जब मैं युवा था तब प्रशंसकों और लोगों की राय का अतिरिक्त बोझ लेता था लेकिन अब मैं किसी राय को संजीदगी से नहीं लेता। मैं खुद से पूछता हूं कि मुझे क्या करना है और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करता हूं। मैं यह नहीं सोचता कि लोग मुझसे ऐसा करने की अपेक्षा कर रहे हैं और मैं उसका बोझ लेने लगूं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोटापे की कट्टर दुशमन है दलिया

दलिया का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। विटामिन और प्रोटीन से भरपूर दलिया खाने से न केवल वजन कम होता है बल्कि आप कई बीमारियों से दूर रहेंगे। बता दें, मोटे अनाज के दानेदार चूरे को दलिया कहते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व लो कैलोरी, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, थायमिन, फोलेट, पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, मिनरल्स, विटामिन और आयरन हेल्दी और स्वस्थ बनाते हैं। अगर आप अपनी डाइट में सिर्फ एक कटोरी दलिया का सेवन करते हैं तो इससे आपकी सेहत को क्या क्या फायदे हो सकते हैं चलिए हम आपको बताते हैं–

दलिया खाने से ये बीमारियां रहेंगे कोसों दूर- सेहतमंद दिल- दलिया में मौजूद फाइबर, प्रोटीन, और एंटीऑक्सीडेंट दिल की सेहत के लिए फायदेमंद हैं। दलिया कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करता है जिससे हार्ट डिजीज का रिस्क काफी कम हो जाता है।

वजन होगा कम- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा है तो डाइट में दलिया ज़रूर शामिल करें। दलिया फाइबर से भरपूर होता है और वजन को कम करने में मदद करता है। इसके सेवन से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है।

डायबिटीज कंट्रोल- दलिया में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स पाया जाता है जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसका सेवन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

पाचन होता है बेहतर- दलिया पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है क्योंकि ये कब्ज को कम करने में मदद करता है और आपके पेट में सारे पोषण को अच्छी तरह से सोख लेता है।

कोलेस्ट्रॉल होगा कम- दलिया में मौजूद फाइबर बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में बेहद असरदार है। दलिया कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को भी कम करता है।

दलिया खाने का सही समय-

दलिया सुबह और शाम के नाश्ते में खाना चाहिए। सुबह के समय दलिया खाने से दिनभर ऊर्जावान महसूस करेंगे साथ ही शाम के समय नाश्ते में दलिया खाने से आपको रात के समय ज़्यादा भूख नहीं लगेगी।

क्या बुढ़ापे से जवानी और फिर बचपन में लौट सकता है इंसान?

जानिए रिवर्स एजिंग क्या है

हम सभी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से गुजरते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमारी त्वचा ढीली पड़ने लगती है, बाल सफेद हो जाते हैं, और शारीरिक क्षमता भी कम होने लगती है। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि वैज्ञानिक अब बुढ़ापे की प्रक्रिया को उलटने के तरीके खोज रहे हैं? जी हां, रिवर्स एजिंग का मतलब बुढ़ापे से जवानी की ओर लौटना है और यह एक दिलचस्प शोध का हिस्सा बन चुका है।

रिवर्स एजिंग क्या है?

रिवर्स एजिंग एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें बुढ़ापे को धीमा करने या उलटने की कोशिश की जाती है। सरल शब्दों में कहें तो, यह एक ऐसी अवधारणा है जिसके तहत इंसान का शरीर बुढ़ापे से फिर से युवा अवस्था में लौट सकता है। भले ही यह सोच पहले असंभव सी लगती थी, लेकिन अब वैज्ञानिक इस पर गंभीरता से काम कर रहे हैं। आजकल के विज्ञान और तकनीक के कारण बुढ़ापे के लक्षणों को धीमा करने या उलटने के लिए कुछ उपायों पर काम हो रहा है। इनमें जेनेटिक इंजीनियरिंग, स्टेम सेल थेरेपी, और अन्य नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

उम्र बढ़ने का कारण

हमारी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया मुख्य रूप से हमारे डीएनए में होने वाले बदलावों के कारण होती है। जैसे-जैसे समय बीतता है, हमारे डीएनए में क्षति होती जाती है, जिससे हमारी कोशिकाएं ठीक से काम नहीं कर पातीं। साथ ही, हमारे शरीर में मुक्त कण भी बनते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करते हैं।

रिवर्स एजिंग के तरीके

वैज्ञानिक रिवर्स एजिंग के लिए कई तरह के तरीकों पर काम कर रहे हैं। चलिए जानते हैं कुछ प्रमुख तरीकों के बारे में-

स्टेम सेल थेरेपी

स्टेम सेल्स उन कोशिकाओं को कहते हैं, जो किसी भी प्रकार की कोशिका में बदलने की क्षमता रखती हैं। इस थेरेपी से शरीर के पुराने और कमजोर अंगों की मरम्मत की जा सकती है, जिससे शरीर फिर से ताजगी महसूस करता है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कुछ खास जीन होते हैं, जिन्हें सक्रिय करके हम शरीर की कोशिकाओं को फिर से जवान बना सकते हैं। अगर इन जीनों को सही तरीके से एक्टिव किया जाए, तो शरीर के अंग और कोशिकाएं फिर से काम करने की क्षमता हासिल कर सकती हैं।

टेलोमेरेज और टेलोमर्स

हमारी कोशिकाओं के अंदर एक संरचना होती है, जिसे टेलोमेरेज कहते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, टेलोमेरेज की लंबाई कम हो जाती है और कोशिकाओं का बंटवारा धीमा पड़ जाता है। लेकिन अगर इसे फिर से लंबा किया जाए, तो कोशिकाएं जवानी की स्थिति में लौट सकती हैं।

एंटीऑक्सीडेंट

एंटीऑक्सीडेंट शरीर में बनने वाले मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि एंटीऑक्सीडेंट का उपयोग करके हम उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं।

कैलोरी रिस्ट्रीक्शंस

कई शोधों में यह पाया गया है कि कैलोरी रिस्ट्रीक्शंस (खाने की मात्रा में कमी) से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है। यह शरीर में सुधार लाने के लिए सहायक हो सकता है।

रिवर्स एजिंग का शोध अभी प्रारंभिक चरण में है, लेकिन इसके परिणामों से हमें उम्मीद है कि भविष्य में यह हमारे जीवन को बेहतर बना सकता है। हालांकि, अभी भी इस प्रक्रिया को पूरी तरह से लागू करने के लिए और अधिक अनुसंधान की आवश्यकता है। लेकिन ये नए वैज्ञानिक प्रयास एक दिन हमें उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को रोकने या उसे उलटने में मदद कर सकते हैं।

लौंग का पानी पीने के फायदे

अगर आप सुबह लौंग का पानी पीते हैं तो इससे शरीर को कई फायदे मिलते हैं। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो पानी में घुलकर शरीर तक पहुंचते हैं और कई लाभ पहुंचाते हैं। लौंग का पानी पीने से हमारे शरीर में पाए जाने वाले त्रिदोष को भी बैलेंस किया जा सकता है।

सुबह लौंग का पानी पीने से क्या फायदा होता है?

वात, पित्त और कफ रहेगा बैलेंस– आयुर्वेद में सारी बीमारियों की जड़ वात, पित्त और कफ को माना जाता है। वात पित्त और कफ का बैलेंस बिगड़ने पर कई तरह की बीमारियां पैदा होती हैं। खासतौर से इससे पेट, गले, नाक और त्वचा की समस्याएं हो सकती हैं। त्रिदोष को बैलेंस करने में लौंग का पानी असरदार साबित होता है। इससे पाचन में सुधार आएगा और पेट ठंडा रहेगा। लौंग का पानी पीने से पेट की जलन और एसिडिटी कम होगी।

पाचन में सुधार आएगा– जो लोग सुबह खाली पेट लौंग का पानी पीते हैं उनका पाचन तंत्र मजबूत बनता है। इस पानी से पेट की बीमारी जैसे गैस, एसिडिटी, ब्लोटिंग और अपच दूर होती है। पाचन प्रक्रिया में सुधार आता है। लौंग का पानी पीने से शरीर में एंजाइम बढ़ते हैं जिससे खाना पचाने में आसानी होती है।

प्यास और जलन कम करे– अगर आपको बहुत प्यास लगती है और पेट में जलन की शिकायत होती है तो आप लौंग का पानी पी सकते हैं। भले ही लौंग तासीर में गर्म होती है लेकिन लौंग का पानी ठंडक देने वाला हो जाता है। इससे प्यास कम लगती है और पेट में होने वाली जलन भी दूर होती है। लौंग का पानी पीने से शरीर हाइड्रेड रहता है।

वजन घटाने में मदद– सुबह खाली पेट लौंग का पानी पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है। भूख कम लगती है और ओवरईटिंग पर भी कंट्रोल किया जा सकता है। लौंग में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो फैट को तेजी से बर्न करने में मदद करते हैं। इसलिए मोटापा घटाने का प्रयास करने वाले लोग लौंग का पानी पी सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए– रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में लौंग का पानी असरदार साबित होता है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। खासतौर से बदलते मौसम में सर्दी–जुकाम और खांसी कफ जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। लौंग में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं जो किसी भी इंफेक्शन से बचाने में मदद करते हैं। इससे मौसमी बीमारियों दूर रहती है।

हर्ब्स की मदद से बनाएं नेचुरल हेयर कलर, जाने आसान और सेहतमंद तरीका

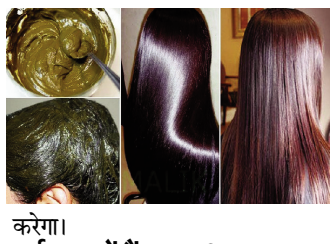

बालों को नेचुरली कलर करना अब मुश्किल नहीं है। आप हर्ब्स की मदद से घर पर ही ऐसा हेयर कलर तैयार कर सकती हैं, जो न केवल आपके बालों को खूबसूरत रंग देगा, बल्कि उन्हें पोषण भी प्रदान करेगा। हर्ब्स से बने हेयर कलर केमिकल-फ्री होते हैं और बालों को मजबूत, शाइनी और हेल्दी बनाते हैं। यह खासतौर से उन लोगों के लिए सही है, जो अपने लुक में बदलाव तो चाहते हैं लेकिन बालों को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स से बचना चाहते हैं।

हिना से बनाएं नेचुरल हेयर कलर

हिना बालों को नेचुरली कलर करने के लिए सबसे पुराना और प्रभावी विकल्प है। यह बालों को डीप रेड या बरगंडी शेड देने के साथ-साथ उन्हें मजबूत और टेक्सचर में सुधार करता है। हेयर कलर बनाने के लिए हिना पाउडर को गर्म पानी या चाय के साथ मिलाकर चिकना पेस्ट तैयार करें। इसमें नींबू का रस या टी ट्री ऑयल मिलाकर इसे और भी पौष्टिक बनाएं। इस पेस्ट को बालों पर समान रूप से लगाएं और 1-3 घंटे तक सूखने दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें, लेकिन तुरंत शैम्पू का इस्तेमाल करने से बचें ताकि रंग बालों में अच्छी तरह से सेट हो सके।

आंवला से बालों को दें प्राकृतिक चमक

आंवला बालों के नेचुरल कलर को निखारने और उन्हें सिल्की व शाइनी बनाने में मदद करता है। आंवला पाउडर को पानी में मिलाकर एक चिकना पेस्ट बनाएं और इसे बालों पर लगाएं। पेस्ट को एक घंटे तक बालों पर छोड़ दें। अगर आप बालों को और भी गहरे रंग का टच देना चाहती हैं, तो आंवला पेस्ट में हिना पाउडर मिलाएं। यह आपके बालों को प्राकृतिक चमक और मजबूती प्रदान करेगा, साथ ही बालों की ग्रोथ में भी मदद करेगा।

रूबर्ब रूट से पाएं हल्का गोल्डन शेड

अगर आप अपने बालों को हल्का गोल्डन या रेडिश टोन देना चाहती हैं, तो रूबर्ब रूट एक बेहतरीन विकल्प है। यह लाइट बालों पर खासतौर से अच्छा असर दिखाता है और उनकी शाइन बढ़ाता है। रूबर्ब रूट को 20-30 मिनट तक पानी में उबालें और फिर इसे ठंडा होने दें। इस लिक्विड को बालों पर लगाएं और करीब एक घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में गुनगुने पानी से बाल धो लें। यह आपके बालों को खूबसूरत रंग और पोषण दोनों प्रदान करेगा।

हर्ब्स क्यों हैं खास?

हर्ब्स से बने हेयर कलर पूरी तरह नैचुरल और केमिकल फ्री होते हैं। यह बालों को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाते हैं और उन्हें पोषण देते हैं। हर्ब्स से बालों की ग्रोथ में सुधार होता है, वे मजबूत बनते हैं और उनमें प्राकृतिक चमक भी आती है। साथ ही, हर्ब्स से बना रंग लंबे समय तक टिकता है और बालों को हेल्दी व खूबसूरत बनाता है। इन नैचुरल हेयर कलर के इस्तेमाल से आप अपने लुक को बेहतर बना सकती हैं, बिना बालों को नुकसान पहुंचाए। अगर आप भी अपने बालों को नेचुरली कलर करना चाहती हैं, तो इन हर्बल तरीकों को अपनाएं और बालों को खूबसूरत व सेहतमंद बनाएं।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के 5 प्रभावी घरेलू उपाय और टिप्स!

ब्लैकहेड्स एक आम समस्या है, खासकर चेहरे पर, जो त्वचा की porosity और तेल उत्पादन के कारण होते हैं। ये तब बनते हैं जब रोमछिद्रों में जमा हुआ तेल, गंदगी, मृत त्वचा कोशिकाएं और बैक्टीरिया हवा के संपर्क में आकर काले हो जाते हैं। ब्लैकहेड्स आपकी त्वचा को बेजान बना देते हैं। ब्लैकहेड्स की समस्या को दूर करने के लिए कई उपाय हैं, जिनमें से कुछ आसान घरेलू उपचार भी हैं।

यहां कुछ प्रभावी टिप्स और घरेलू उपचार दिए गए हैं जिनसे आप ब्लैकहेड्स से छुटकारा पा सकते हैं-

हल्दी और बेसन का फेस पैक

हल्दी और बेसन एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल हैं, जो त्वचा को साफ करने में मदद करते हैं।

1. (1) चम्मच बेसन में 1/2 चम्मच हल्दी और थोड़ी सी दही डालें।

2. इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और सूखने तक छोड़ दें।

3. सूखने के बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को गहराई से साफ करता है और ब्लैकहेड्स को कम करने में मदद करता है।

अंडे का सफेद भाग और नींबू का रस मास्क

नींबू में सिट्रिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि अंडे का सफेद भाग त्वचा को हाइड्रेट करता है।

1. (1) अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच नींबू का रस

2. अंडे की सफेदी को सख्त होने तक फेंटें, उसमें नींबू का रस मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने तक लगा रहने दें और फिर धीरे से छील लें।

3. नताशा ने कहा, ÷अंडे का सफेद भाग रोमछिद्रों को कसता है और अतिरिक्त तेल को हटाता है, जबकि नींबू का रस त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है।÷

स्टीम (भाप) लें

स्टीम लेने से त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे ब्लैकहेड्स को निकालना आसान हो जाता है।

1. एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसका भाप चेहरे पर लें।

2. ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो, ताकि त्वचा जल न जाए।

3. स्टीम लेने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धोकर रोमछिद्रों को बंद कर लें।

चीनी और शहद स्क्रब

चीनी त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए एक बेहतरीन स्क्रब है, जबकि शहद त्वचा को मुलायम बनाता है और उसकी नमी बनाए रखता है।

1. 1 चम्मच चीनी और 1 चम्मच शहद मिलाकर एक स्क्रब तैयार करें।

2. इसे चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर गुनगुने पानी से धो लें।

3. यह स्क्रब ब्लैकहेड्स को हटाने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल एजेंट है, जो ब्लैकहेड्स को रोकने में सहायक है।

1. (1-2) बूंदें टी ट्री ऑयल को एक कॉटन पैड पर डालें और उसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं।

2. इसे रातभर छोड़ें और सुबह अपने चेहरे को धो लें। टी ट्री ऑयल त्वचा को साफ रखता है और ब्लैकहेड्स के निर्माण को रोकता है।

अतिरिक्त टिप्स

1. चेहरे को नियमित रूप से धोएं-दिन में दो बार फेसवॉश से चेहरे को धोने से अतिरिक्त तेल और गंदगी हट जाती है, जिससे ब्लैकहेड्स की संभावना कम होती है।

2. कॉमेडोजेनिक उत्पादों से बचें- ऐसे स्किनकेयर और मेकअप उत्पादों का उपयोग न करें जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर सकते हैं।

3. संतुलित आहार लें-खानपान में विटामिन- और ओमेगा-3 फैटी एसिड्स को शामिल करें, जैसे कि गाजर, टमाटर, मछली आदि, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाना समय और धैर्य की बात है। इन घरेलू उपचारों को नियमित रूप से अपनाकर आप ब्लैकहेड्स को कम कर सकते हैं और अपनी त्वचा को साफ और निखरा हुआ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़ जाए तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना भी फायदेमंद हो सकता है

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2.5 लाख जानवरों की सामूहिक बलि, बचाने में जुटा भारत

नई दिल्ली। नेपाल में हर पांच साल में गढ़ीमाई का मेला होता है जहां लाखों जानवरों की सामूहिक बलि दे दी जाती है। सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय प्रशासन ने इस बार जानवरों को बचाने के लिए दिन रात एक कर दिया। बता दें कि नेपाल के बारा जिले के बरियारपुर गांव में हर पांच साल में यह मेला लगता है जिसमें लाखों जानवरों की सामूहिक बलि दे दी जाती है। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि बलि के लिए नेपाल ले जाए जाने वाले जानवरों को बचाया जाए। जानकारों के मुताबिक इस मेले में महीनेभर में करीब 2.5 लाख से पांच लाख जानवरों की बलि दे दी जाती है। बताया जाता है कि 265 सालों से गढ़ीमाई का यह उत्सव होता है। जानकारी के मुताबिक भारतीय सुरक्षाबलों और प्रशासन की सतर्कता की वजह से कम से कम 750 जानवरों को बचाया गया है जिनमें भैंसें, बकरियां, भेड़ और अन्य जानवर शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक इस बार दो ही दिन में 8 और 9 दिसंबर को गढ़ीमाई के मंदिर में 4200 भैंसों की बलि दे दी गई नेपाल के भी सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में जानवरों की बलि रोकने का आदेश दिया था। बताया गया कि बलि के लिए ज्यादातर जानवर खरीदे जाते हैं। जानकारों का कहना है कि लोग मन्नत पूरी होने के लिए गढ़ीमाई के मंदिर में बलि देते हैं। विश्व में सबसे ज्यादा बलि इसी मंदिर में होती है।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरा और ठंड ने बढ़ाई मुश्किलें

- 18 और 19 दिसंबर को भी तापमान में गिरावट की संभावना

नई दिल्ली। एनसीआर में लगातार ठंड बढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार 17 दिसंबर से कोल्ड वेव की वजह से न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट की संभावना है। सोमवार को सुबह ही एनसीआर में हल्का कोहरा देखा गया, जिसके बाद से ठंड और कोहरे की स्थिति गंभीर होने की संभावना है। मंगलवार से अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक जा सकता है। 17 दिसंबर को कोहरे की शुरुआत होने की संभावना है, जिसके साथ-साथ अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम तापमान 5 डिग्री रहने की संभावना है। 18 और 19 दिसंबर को भी तापमान में गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि 20 दिसंबर के बाद अचानक मौसम फिर बदल सकता है और घना कोहरा संभावित है। वाहन चालकों को सड़कों पर सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। इस बदलते मौसम के कारण स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभावों को ध्यान में रखकर सभी लोग सावधान रहें। मौसम के अनुसार बदलाव का सामना करने के लिए तैयार रहें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

बच्चे नहीं हो रहे, तांत्रिक के कहने पर युवक ने जिंदा चूजा निगल लिया... हो गई मौत

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा से अजीबोगरीब और दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने तंत्र मंत्र के चक्कर में जिंदा चूजा निगल लिया। इसके बाद युवक की अचानक से तबीयत खराब हो गई। आनन-फानन में युवक को अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पहले डॉक्टरों को लगा कि शायद हार्टअटैक से युवक की मौत हुई है। लेकिन पोस्टमार्टम करने पर युवक के गले में मरा हुआ चूजा फंसा मिला। मामला अंबिकापुर का है। मृतक की पहचान छिंदकालो गांव निवासी 36 वर्षीय आनंद कुमार यादव के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि शादी के पांच साल बीतने बाद भी बच्चे नहीं हो रहे थे। इससे वह परेशान रहने लगा था। तब युवक को किसी ने एक तांत्रिक से इलाज करवाने की सलाह दी। इसके तांत्रिक ने ही युवक को जिंदा चूजा निगलने के लिए कहा था। जिससे उसकी मौत हो गई।

उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के परिसर को किया गया सील, जहरीली गैस फैलने से 12 छात्राएँ हुईं थीं बेहोश

जयपुर। जयपुर नगर निगम ने कोचिंग संस्थान में हुई घटना पर कार्रवाई कर उस परिसर को सील कर दिया है, जहां से उत्कर्ष कोचिंग सेंटर संचालित हो रहा था। शहर के उत्कर्ष कोचिंग में जहरीली गैस फैलने से 12 छात्राएँ बेहोश हुई थीं। जिसके बाद छात्राओं को अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं दो की हालत गंभीर हो गई, जिन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया। बता दें कि उत्कर्ष कोचिंग शहर के गोपालपुरा इलाके में चलता था। घटना के बाद पुलिस ने बताया कि कोचिंग में गैस का स्रोत नहीं है। वहीं जांच के दौरान ये पता चला है कि कोचिंग के पीछे वाले नाले से जहरीली गैस फैली थी, जिससे कोचिंग की 12 छात्राएं बेहोश हो गईं। जहरीली गैस से बेहोश होने वाले 12 छात्रों में से सात को सोमानी अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है, वहीं डॉक्टर ने बताया कि इनमें से दो छात्राओं की स्थिति गंभीर होने की वजह से उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। जबकि पांच छात्राओं का इलाज मानसरोवर स्थित मेट्रो मास अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने कहा कि इस कोचिंग की सभी खिड़कियां बंद थीं। और क्लास के दौरान दरवाजा भी बंद था। कोचिंग में जहरीली गैस का कोई उपकरण नहीं है और कोई गैस पाइपलाइन भी नहीं है। इस घटना पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने लिखा है कि ये बेहद चिंताजनक घटना है और इसकी जांच होनी चाहिए।

ट्रैक्टर चोरी के शक में शख्स की पीट-पीटकर हत्या

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में ट्रैक्टर चोरी के शक में एक शख्स की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मामले में ट्रैक्टर मालिक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने युवक को बचाकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शंभू साहनी के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा, यह घटना योगियां गांव में हुई, जब ट्रैक्टर चोरी के शक में एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

बिहार में विधानसभा चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व में लड़ा जाए, नीतीश कुमार भी साथ आएं

-सांसद पप्पू यादव ने कहा-हमारी सरकार बनेगी तो प्राइवेट नौकरी में आरक्षण देंगे

पूर्णिया (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया सांसद राजेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव ने कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका निभाए। चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व में लड़ा जाना चाहिए। बिहार में क्षेत्रीय पार्टियों को हरियाणा और महाराष्ट्र से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने इच्छा जताई कि सीएम नीतीश कुमार भी साथ आएं, लेकिन गठबंधन में किसे शामिल किया जाए यह राहुल गांधी तय करें।

पप्पू यादव ने कहा कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ अगर किसी में लड़ने की ताकत है तो वह राहुल और प्रियंका गांधी में ही है। इसलिए बिहार में गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस करे। कांग्रेस बिहार में 15 जनवरी के बाद से अपने संगठन का विस्तार करने के साथ ही उसे मजबूत करेगी। पेपर लीक मामले पर पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में पेपर लीक एक पर्याय बन गया है। नालंदा जुर्म का केंद्र बन गया है। जितने पेपर लीक हो रहे, उसमें नालंदा ही केंद्र बिंदु है। दो दिन पहले भी बच्चों को पेपर नहीं दिए गए, ताला लगा दिया। जिन्हें माफिया ने सेंटर भेजा, टीचर की भूमिका निभाई, उसी को आंसर लिखाया गया। पढ़ने वाले बच्चे इससे वंचित रह गए।

पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी जिन मुद्दों को लोकसभा में उठाते रहे हैं, वही मुद्दे मेरे भी हैं। हमारी सरकार बनेगी तो हम प्राइवेट नौकरी में आरक्षण का प्रावधान करेंगे।

सभी ठेकेदारी में 40 फीसदी बेरोजगार युवाओं के लिए 10 लाख रुपए तक के ठेके को आरक्षित करेंगे। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्य सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि पार्टी 2025 का रोडमैप बनाकर आगे की रणनीति तय करेगी। पप्पू यादव ने रविवार को पार्टी के पटना कार्यालय में आयोजित प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारी की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि सदस्यता महाअभियान के तहत दिसंबर तक 10 लाख सदस्य बनाना था, जिसके करीब पार्टी पहुंच चुकी है।

सदस्यता महाअभियान की तिथि बढ़ा कर 31 जनवरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का जिला सम्मेलन वहीं होगा, जिससे जुड़े विधानसभा क्षेत्र में पार्टी मजबूत हो।

प्रदेश अध्यक्ष ने लोजपा (पारस) महिला प्रकोष्ठ की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्मिता शर्मा को उनके समर्थकों के साथ सदस्यता दिलाई।

सत्येंद्र जैन के मानहानि मामले में कोर्ट ने बांसुरी स्वराज को भेजा नोटिस

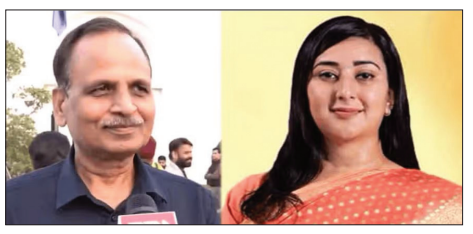

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को आपराधिक मानहानि का नोटिस जारी कर दिया है। सांसद बांसुरी के खिलाफ यह याचिका आम आदमी पार्टी के नेता, पूर्व मंत्री और विधायक सत्येंद्र जैन द्वारा दायर की गई थी जिसके बाद कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। आप नेता जैन ने आरोप लगाया है कि बांसुरी ने 5 अक्टूबर, 2023 को एक टेलीविजन साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। अदालत ने सांसद बाखुरी को 20 दिसंबर को पेश होने को कहा है। बांसुरी स्वराज व्यक्तिगत रूप से या अपने वकील के माध्यम से पेश हो सकती हैं। इसी तारीख को अदालत मामले में सत्येंद्र जैन और उनके दो गवाहों के बयान दर्ज करेगी। जैन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है, बांसुरी ने 5 अक्टूबर, 2023 को एक टीवी चैनल पर एक इंटरव्यू के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। आप नेता जैन ने दावा किया है कि यह टिप्पणी स्वराज ने उन्हें बदनाम करने और अनुचित राजनीतिक फायदा हासिल करने के लिए की थी। उन्होंने कहा, बांसुरी ने झूठा दावा किया कि उनके घर से 3 करोड़ रुपये बरामद हुए और उनके घर से 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्के बरामद किए गए थे।

संभल में 19 कूप, 36 पुरवे, 52 सराय और 68 लापता हुए तीर्थों को तलाश रही पुलिस

संभल (एजेंसी)। संभल में सैकड़ों साल पुरानी मूर्ती मिलने से जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। सरकारी रिकॉर्ड में 19 कूप, 36 पुरवे, 52 सराय और 68 तीर्थ लापता है। प्रशासन ने इसे सूचीबद्ध करके इनकी तलाश शुरु कर दी है। डीएम राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि यहां पर चार तरह की कार्रवाई की जा रही है। पहली यह है कि जो शुरुआत में ही बताया गया कि संभल में 19 कूप, 36 पुरवे, 52 सराय और 68 तीर्थ हैं। इनकी खोज करने में पूरी टीम लगी हुई है। दूसरा जो अस्थायी अतिक्रमण नालियों आदि पर किया गया है, उन्हें हटाया जा रहा है। स्थायी अतिक्रमण को नोटिस देने के बाद पूरी प्रक्रिया के तहत हटाया जाएगा। तीसरा बिजली चोरी के खिलाफ एक्शन है। बिजली चोरी में अभी तक पांच करोड़ का एसेसमेंट बनाया गया है। बिजली चोरी रोकने केलिए आर्मड केबल लगाया जा रहा है। चौथा प्लान गैरकानूनी गतिविधियों पर एक्शन की तैयारी है।

वहीं, बीते रोज मिले मंदिर को लेकर डीएम ने बताया कि वहां पर सीसीटीवी लगा दिए गए हैं। पुलिस टीम भी सुरक्षा में लगा दी गई है। अतिक्रमण को लेक डीएम ने कहा कि कोई भी तालाब सार्वजनिक संपत्ति होती है। सुप्रीम कोर्ट भी कहता है कि इनकी सुरक्षा बहुत जरूरी है। जिसने भी तालाब पर अतिक्रमण किया है उन्हें नोटिस देकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि 24 नंवबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान यहां हिंस भड़क गई थी। इस हिंसा में गोली लगने से चार युवकों की मौत हो गई थी। इसी के बाद पुलिस ने बड़े पैमाने पर एफआईआर दर्ज की और धरपकड़ का अभियान चलाया है। इसी के तहत यहां पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान में शनिवार को बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी गई।

ईवीएम को लेकर उमर अब्दुल्ला के बदले स्वर, गठबंधन में मतभेद?

कांग्रेस बोली-अपने तथ्यों की करें जांच, सहयोगियों के साथ ऐसा दृष्टिकोण क्यों?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईवीएम को लेकर अब गठबंधन में मतभेद सामने आ गए हैं। कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की ईवीएम पर टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम बनने के बाद गठबंधन सहयोगियों के प्रति उनके दृष्टिकोण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीएम उमर ने कहा कि आपको ईवीएम से दिक्कत कैसे हो सकती है और फिर भी आप चुनाव लड़ते रहें। अगर आपको ईवीएम पर भरोसा नहीं है, तो आपको चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। आप यह नहीं कह सकते कि अगर मैं जीत गया तो चुप रहूंगा और हार गया तो ईवीएम में कुछ गड़बड़ है।

कांग्रेस ने कहा कि समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) ने ईवीएम के खिलाफ बात की थी, क्योंकि उन्होंने वोटिंग पद्धति पर पार्टी के रुख पर सवाल उठाने के लिए सहयोगी उमर अब्दुल्ला पर पलटवार किया। सोमवार को तीखे शब्दों वाले पोस्ट में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला को ट्वीट कर कहा कि यह समाजवादी पार्टी, एनसीपी और शिवसेना यूबीटी हैं जिन्होंने ईवीएम के खिलाफ बात की है। कृपया अपने तथ्यों की जांच करें। कांग्रेस सीडब्ल्यूसी के प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से केवल ईसीआई को संबोधित किया गया है। सीएम बनने के बाद हमारे सहयोगियों के साथ ऐसा दृष्टिकोण क्यों?

उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में पार्टी की गठबंधन सहयोगी है। यह घटनाक्रम कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के एक अन्य सहयोगी के बीच टकराव का एक और बिंदु है। हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर चिंता जाते हुए बैलेट पेपर से मतदान कराने की वकालत की है। उमर अब्दुल्ला ने एक साक्षात्कार में कांग्रेस की आपत्ति को खारिज करते हुए कहा कि वोटिंग मशीनें केवल तभी समस्या नहीं हो सकतीं जब आप चुनाव हार जाते हैं।

अब्दुल्ला ने एक साक्षात्कार में कहा कि जब आपके 100 से ज्यादा सांसद एक ही ईवीएम का उपयोग करते हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हैं, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि हमें ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव परिणाम उस तरह से नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं। उमर ने अपना खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि जब वे इस साल की शुरुआत में लोकसभा चुनाव हार गए थे, तो उन्होंने कभी भी ईवीएम को दोष नहीं दिया।

इस मौके का फायदा उठाते हुए बीजेपी ने सीएम उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी का इस्तेमाल कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधने के लिए किया। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस के जीतने पर ईवीएम अच्छी नहीं हो सकती और हारने पर खराब। राहुल गांधी लगातार हारे हुए व्यक्ति की तरह दिख रहे हैं, जिनके साथ कोई खड़ा नहीं होना चाहता।

हिमाचल में 31 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का सीएम सुक्खू ने किया उद्घाटन

सोलन। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोलन जिले के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 31 करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सीएम सुक्खू ने क्षेत्र की प्रगति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और भरोसा दिलाया कि वित्तीय समस्याएं क्षेत्र के विकास में बाधा नहीं बनेंगी। सीएम सुक्खू ने मित्तियां, बेहली, खल्लर और आसपास के क्षेत्रों के गांवों के लिए 7.24 करोड़ रुपए की लागत वाली पेयजल योजना का भी उद्घाटन किया। उन्होंने नालागढ़ के लिए 5.22 करोड़ रुपए लागत से निर्मित सात नलकूपों और क्षेत्र में 4.82 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल सुधार परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। उन्होंने तीन पुलों की आधारशिला रखी, जिनमें 5.77 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाला कोटला कलां पुल, 4.44 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाला रेतार खड्ड पुल और 3.51 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाला भटौली खड्ड पुल शामिल हैं।

उद्धव और राज समझ गए बंटेंगे तो कटेंगे- दोनों भाईयों में बन रही सुलह की संभावना

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव में बंटेंगे तो कटेंगे का नारा खूब उछला था। किसी ने इस नारे पर भरोसा किया हो या न किया हो। पर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर इसका प्रभाव जरुर दिखाई देता नजर आ रहा है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले बीएमसी चुनाव में दोनों भाई साथ आ सकते हैं। हाल ही में एक पारिवारिक कार्यक्रम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे की एंट्री ने परिवार में सुलह के संकेत दिए हैं। इस कार्यक्रम में शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे भी पहुंचे थे। हालांकि, इसे लेकर दोनों ही नेताओं ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

दरअसल, रविवार को उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे के भांजे शौनक पातंकर की शादी में राज पहुंचे थे। इसके साथ ही अटकलें शुरू हो गईं कि दोनों भाई सियासी मैदान में हाथ मिला सकते हैं। बांद्रा पश्चिम के ताज लैंड्स एन्ड में हुए कार्यक्रम में कई बड़े राजनेता पहुंचे थे। चर्चाएं हैं कि राज और उद्धव मतभेद भुलाकर आगामी निकाय चुनाव के लिए साथ आ सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ही दलों के कार्यकर्ता सुलह की बात पर जोर दे रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि दोनों नेताओं का साथ आना मराठी मतों को एकजुट कर सकता है। सूत्रों ने बताया कि राज के शादी समारोह में पहुंचने को उद्धव की तरफ से शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने के तौर पर देखा जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि राज समारोह के दौरान रश्मि और उनकी मां से मिले थे। हालांकि, उनकी मीटिंग आदित्य ठाकरे से नहीं हो सकी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच जारी सियासी तनातनी मराठी वोट बंटने का कारण बन रही है। राज और उद्धव आंतरिक कलह के चलते साल 2006 में अलग हो गए। राज ने मनसे का गठन किया। वहीं, उद्धव को अविभाजित शिवसेना की कमान मिली थी।

फिर बढ़ने लगा बिहार में पकड़ौआ विवाह का चलन

पटना (एजेंसी)। पकड़ौआ विवाह की परंपरा अब बिहार के कई जिलों में फिर से चर्चा में है। साल 2024 में, इस परंपरा में अचानक इजाफा देखा गया है। हाल ही में बेगूसराय जिले के एक बीपीएससी शिक्षक का पकड़ौआ विवाह हुआ है।

यह घटना बिहार में पकड़ौआ विवाह के बढ़ते मामलों की ओर इशारा करती है, और समाज में इसके प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। इस प्रकार की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार और समाज को सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। यह घटना तब सामने आई जब शिक्षक ने अपनी चार साल पुरानी प्रेमिका से शादी करने से इनकार कर दिया। लड़की पक्ष के लोगों ने गुस्से में आकर उसे पकड़ लिया और मंदिर में उसकी शादी करवा दी। यह मामला कटिहार जिले का है, जहां बीपीएससी शिक्षक अवनीश कुमार ने अपनी प्रेमिका गुंजन से लंबे समय तक रिश्ते में रहने के बावजूद शादी से मना कर दिया।

लड़की के परिवार वालों ने इस इनकार से नाराज होकर अवनीश का अपहरण कर लिया और एक मंदिर में उसकी शादी करवा दी। शादी के बाद जब लड़की अपने ससुराल पहुंची, तो लड़के के परिवार ने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया, और मारपीट का आरोप भी लगाया। लड़की ने इस पूरे घटनाक्रम के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है, और न्याय की गुहार लगाई है। हालांकि, शिक्षक अवनीश कुमार ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि लड़की का उनके साथ कोई प्रेम संबंध नहीं था और उसे बार-बार परेशान किया जाता था। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनका अपहरण किया गया और जबरन शादी करवाई गई।

पकड़ौआ विवाह का इतिहास बिहार में 1980 के दशक से जुड़ा हुआ है, खासकर मिथिलांचल के क्षेत्रों जैसे बेगूसराय, दरभंगा और मधुबनी जिलों में। इस परंपरा में शादी के लायक लड़के का अपहरण किया जाता है और फिर उसे धमकाकर विवाह के बंधन में बांध दिया जाता है। 1990 के दशक में इस परंपरा में कमी आई, लेकिन 2024 में इसके मामलों में फिर से वृद्धि देखने को मिली है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मिथिलांचल समेत बिहार के 18 जिलों में 2024 में 70 से अधिक पकड़ौआ विवाह हो चुके हैं।

क्या 2013 की तरह इस बार महाकुंभ में पीएम उम्मीदवार के नाम पर लगेगी मुहर?

-योगी के नाम पर सभी की रजामंदी, सार्वजनिक रुप से अभी नहीं होगा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत स्तर के एक पदाधिकारी बताया कि प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में बीजेपी के अगले पीएम उम्मीदवार के नाम का प्रस्ताव आ सकता है। वे बताते हैं कि योगी आदित्यनाथ के नाम पर सभी की रजामंदी है। अभी लोकसभा चुनाव दूर हैं, इसलिए सीधे तौर पर उनके नाम का ऐलान नहीं होगा। योगी को प्रोजेक्ट करने की पूरी तैयारी चल रही है।

महाकुंभ 13 जनवरी, 2025 से शुरू होगा। 12 साल पहले प्रयागराज में ही आरएसएस ने नरेंद्र मोदी का नाम संतों के सामने रखा था। उनके समर्थन के बाद नरेंद्र मोदी को बीजेपी का पीएम उम्मीदवार घोषित किया गया था। क्या इस बार भी ऐसा ही योगी आदित्यनाथ के लिए होगा।

मीडिया रिपोर्ट से सामने आया है कि लोकसभा चुनाव हों या विधानसभा चुनाव, योगी आदित्यनाथ का नाम बीजेपी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल है। वे राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड से लेकर साउथ में तमिलनाडु और तेलंगाना तक चुनावी रैलियां कर चुके हैं। हाल ही में हुए महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे का असर भी दिखा। यहां उन्होंने 11 रैलियां कर 17 उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे थे। इनमें 15 चुनाव जीत भी गए। योगी ने ये नारा यूपी में 9 सीटों पर हुए उपचुनाव के दौरान बार-बार दोहराया था। पीएम मोदी ने 5 अक्टूबर को ठाणे और वाशिम में हुई रैलियों में अलग ढंग से यही बात कही थी।

आरएसएस के पदाधिकारी बताते हैं कि बंटेंगे तो कटेंगे का नारा भले योगी के मुंह से निकला हो, लेकिन इसके पीछे आरएसएस ही है। ये आरएसएस की शाखाओं में गाया जाने वाला बहुत पुराना गीत है। इसे आजादी के समय से गाया जा रहा है। ये गीत था- इतिहास कहता है कि हिंदू भाव को जब-जब भूले, आई विपदा महान, भाई छूटे, धरती खोई, मिटे धर्म संस्थान।

यही बात मथुरा की बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कही थी। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज में एकता नहीं रहेगी, तो आजकल की भाषा में बंटेंगे तो कटेंगे हो सकता है। कुंभ में इस बार हिंदू एकता की चर्चा होगी, क्या किसी बड़े मुद्दे पर चर्चा होगी या फिर कोई बड़ा फैसला लिया जाएगा? इस पर होसबोले ने कहा कि इसकी चर्चा तो हम कई साल से कर रहे हैं। ये हमारे करिकुलम में बहुत पहले से है। इस बार चर्चा आरएसएस के उस गीत को दोबारा चर्चा में लाने वाले की होगी। चर्चा होगी कि देश का भविष्य किसके हाथों में सुरक्षित रहेगा। चर्चा होगी कि नया सूर्य कौन होगा।

आरएसएस के पदाधिकारी ने कहा कि ये सब उस तरह नहीं होगा, जैसे मोदी के नाम पर मुहर लगी थी। तब कुंभ के अगले साल लोकसभा चुनाव थे। इसलिए पीएम पद के लिए चेहरे पर पक्की मुहर के लिए उस आयोजन से बेहतर कोई और वक्त नहीं था। इतने बड़े स्तर पर हिंदू समाज के संगठन और साधु-संतों का जमावड़ा फिर कहां मिलता। इस बार कुंभ और चुनाव के बीच चार साल का फासला है। नाम पर तो चर्चा होगी, लेकिन सभी संगठनों के बीच एक प्रस्ताव की तरह इसे लाया जाएगा।। पदाधिकारी ने कहा कि सूची में अब तक तो योगी ही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति हावियर मिलेई को दी गई इटली की नागरिकता, जॉर्जिया मेलोनी घिरीं

रोम, एजेंसी। इटली की सरकार ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति हावियर मिलेई को देश की नागरिकता देने का एलान किया है। इटली का यह फैसला मिलेई की इतालवी विरासत के चलते लिया गया है। हालांकि, अर्जेंटीना और इटली के विपक्षी दलों ने इस कदम का विरोध शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि हावियर मिलेई के दादा-दादी इटली से अर्जेंटीना चले गए थे। इसी लिहाज से इटली की जॉर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली सरकार ने मिलेई को उनकी विरासत के लिए नागरिकता प्रदान की। हालांकि, इस निर्णय का इटली के कई राजनीतिक दलों ने विरोध किया है।

खासकर देश की नागरिकता नीति के विरोधियों का कहना है कि जहां देश छोड़कर जाने वाले लोगों को विरासत के आधार पर नागरिकता दी जा रही है, वहीं देश में ही जन्मे अप्रवासियों के बच्चों को ही नागरिकता से वंचित रखा जा रहा है। इटली की विपक्षी लिबरल पार्टी के नेता रिकार्डो मागी ने कहा कि इटली के लाखों लोगों को नागरिकता के लिए वर्षों तक नौकरशाही को झेलना पड़ता है। वे लोग यहीं पर रहते हैं, पढ़ते हैं, काम करते हैं और टैक्स देते हैं। लेकिन मिलेई से उलट उन्हें नागरिकता के लिए मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं।

इटली में क्या हैं नागरिकता के नियम?

इटली के मौजूदा कानून के मुताबिक, विदेशी नागरिकों को इटली की नागरिकता पाने के लिए 10 साल तक वहां रहना जरूरी है। यहां तक कि इटली में विदेशी माता-पिता से जन्मे बच्चों को भी 18 वर्ष की उम्र तक नागरिकता आवेदन के लिए रुकना पड़ता है। ऑक्सफैम इटालिया समेत कई संगठनों ने फ्रांस और जर्मनी की तर्ज पर इटली में इस वेटिंग पीरियड को कम करने की मांग उठाई है। हालांकि, इटली की जॉर्जिया मेलोनी सरकार ने ऐसे किसी भी बदलाव का सख्त विरोध किया है।

अमेरिका से 18 हजार भारतीयों को निकालेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। चुनाव के वक्त कड़ी आव्रजन नीतियों का एलान कर चुके डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ के बाद सबसे पहले अवैध प्रवासन पर काम करेंगे। इसकी तैयारी में अमेरिकी आव्रजन-सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने निर्वासन के लिए लगभग 15 लाख लोगों की सूची तैयार की है। इनमें से करीब 18 हजार भारतीयों को भारत निकालने का खतरा है।

अमेरिकी सरकार ने भारत पर गैर-मददगार होने का आरोप लगाया है। आईसीई ने निर्वासन प्रक्रिया में मदद नहीं करने वाले 15 देशों की सूची बनाई है, जिन्हें 'गैर मददगार' कहा जाता है। इनमें भारत का नाम भी है। आसीई के डाटा के मुताबिक, अमेरिका में रह रहे करीब 18 हजार भारतीय अवैध कागजी कार्रवाई की लंबी प्रक्रिया में फंस गए हैं। इसमें 3 वर्ष का वक्त लग सकता है। एजेंसी

आईसीई के मुताबिक, पिछले 3 सालों में अमेरिकी सीमा में अवैध रूप से घुसने की कोशिश में 90 हजार भारतीयों को पकड़ा गया है। इन प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा पंजाब, गुजरात और आंध्र प्रदेश से रहा है। एशियाई देशों में अवैध घुसपैठ को लेकर चीन शीर्ष पर है। भारत इस मामले में 13वें नंबर पर है।

अक्तूबर में अमेरिका ने अवैध रूप से देश में रह रहे भारतीयों को निर्वासित करने के लिए एक चार्टर्ड उड़ान का इस्तेमाल किया था। गृह सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, 22 अक्तूबर को भारत के सहयोग से एक उड़ान भारत भेजी गई। अमेरिका में हजारों बगैर कानूनी दस्तावेज के रहने वाले भारतीय अपनी स्थिति को वैध बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इनमें से कई को आईसीई से मंजूरी मिलने में वर्षों लग गए हैं।

फैशन टाइकून इसाक एंडीक की दुर्घटना में मौत

मद्रिद, एजेंसी। फैशन टाइकून के नाम से विख्यात स्पेन की प्रमुख फैशन कंपनी मैंगो के संस्थापक इसाक एंडिक की एक दुर्घटना में निधन हो गया है, यह जानकारी कंपनी ने शनिवार को दी। मैंगो के सीईओ टोनी रुइज़ ने एक बयान जारी कर एंडिक की विरासत को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को सराहा।

जारी बयान में कहा गया इसाक एंडिक ने अपना जीवन मैंगो को समर्पित किया। उनकी रणनीतिक सोच, प्रेरक नेतृत्व और कंपनी के प्रति उनकी अडिग प्रतिबद्धता ने गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने यह भी कहा उनकी विरासत सिर्फ एक व्यावसायिक सफलता नहीं, बल्कि उनके मानवीय गुणों, देखभाल और स्नेह का भी प्रतीक है, जिसे उन्होंने हमेशा पूरी टीम को दिया। रुइज़ ने कहा कि एंडिक के निधन से एक बहुत बड़ा शून्य रह गया है और यह सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी कि मैंगो उस परियोजना के रूप में आगे बढ़े, जिसे इसाक ने हमेशा अपनी आकांक्षाओं और गर्व से जोड़ा था।

दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट! राष्ट्रपति यून पद से हटाए गए

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सूक योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद सभी की निगाहें संवैधानिक कोर्ट पर टिकी हैं, जो राष्ट्रपति यून सूक योल के महाभियोग पर अंतिम फैसला लेगा. यून को निलंबित कर दिया गया है जबकि प्रधानमंत्री कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहे हैं. नेशनल असेंबली ने शनिवार को राष्ट्रपति यून सुक-योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया. यह प्रस्ताव पिछले हफ्ते मार्शल लॉ लागू करने के लिए उनके खिलाफ लाया गया था.

योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक अब कोर्ट के पास यह फैसला लेने के लिए 180 दिन का समय है कि संसद के उस फैसले को मंजूरी दी जाए या नहीं. जिसके तहत या तो यून को पद से हटाया जाएगा या उन्हें पद पर बहाल किया जाएगा. राष्ट्रपति के खिलाफ आखिरी महाभियोग 2016 में हुआ था, जब तत्कालीन राष्ट्रपति पार्क ग्यून-हे को उनकी सीट से हटा दिया गया था.

पार्क के लिए नेशनल असेंबली के अनुरोध को मंजूरी देने में कोर्ट को 91 दिन लगे. दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति रोह मू-ह्यून के मामले में, न्यायालय ने 63 दिनों के विचार-विमर्श के बाद 2004 में संसद के महाभियोग के अनुरोध को खारिज कर दिया था. यदि यून पर महाभियोग लगाया जाता है, तो दक्षिण कोरिया को उनके पद से हटने के दो महीने के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना होगा. तब तक, प्रधानमंत्री हान डक-सू कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम करेंगे. बता दें कि, राष्ट्रपति यून ने मंगलवार (03 दिसंबर) रात को आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की, लेकिन बुधवार को संसद द्वारा इसके खिलाफ मतदान किए जाने के बाद इसे निरस्त कर दिया गया. मार्शल लॉ कुछ घंटों के लिए ही लागू रहा. हालांकि चंद घटों के लिए लागू हुए मार्शल लॉ ने साउथ कोरिया की राजनीति में भूचाल ला दिया.

महाभियोग प्रस्ताव पास, अब क्या?

महाभियोग प्रस्ताव पास होने के बाद अब इसे कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा। अगर 9 में से 6 जज राष्ट्रपति के खिलाफ फैसला सुनाते हैं तभी आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। महाभियोग शुरू होने के 60 दिनों के भीतर चुनाव कराने होते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री के हाथ में राष्ट्रपति की शक्तियां होती हैं।

गाजा में शरणार्थी शिविर पर इस्राइली हमला, 22 लोगों की मौत

यरुशलम, एजेंसी। गाजा में शनिवार को इस्राइली हमले में 22 लोगों की मौत हो गई। हमला स्कूल में चल रहे शरणार्थी शिविर पर किया गया, जहां एक फलस्तीनी फोटो पत्रकार समेत 18 लोगों की मौत हो गई। जबकि गाजा सिटी में हुए एक अन्य हमले में 4 लोग मारे गए। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 10 लोग दीर अल-बलाह के निकाय भवन में मारे गए, वहां पर सभी लोग राहत सामग्री लेने के लिए पहुंचे थे। हमले के बाद लगभग एक दर्जन घायलों को लोग नजदीकी अस्पताल ले गए। वहीं, दूसरी तरफ इस्राइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि मारे गए लोग शरणार्थियों की आड़ में छिपे हुए हथियारबंद लड़ाके थे। बता दें कि सात अक्टूबर 2023 से जारी इस्राइली हमलों में अब तक लगभग 44 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी ने राहत सामग्री भेजनी भी बंद कर दी है, जिसके चलते गाजा में फलस्तीनियों के सामने भुखमरी संकट खड़ा हो गया है।

ट्रम्प की लाइब्रेरी को 15 मिलियन डॉलर देगा एबीसी न्यूज : चैनल के एंकर ने रेप का दोषी बताया था

अब वकील की फीस भी भरनी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की प्रेसीडेंट लाइब्रेरी को न्यूज चैनल एबीसी न्यूज ने 15 मिलियन डॉलर देने पर राजी हो गया है। ट्रम्प ने एबीसी न्यूज के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। एबीसी न्यूज के एंकर जॉर्ज स्टेफानोपोलोस ने लाइव टीवी पर दावा किया था कि ट्रम्प को लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ बलात्कार के मामले में दोषी करार दे दिया गया है। जॉर्ज ने ये दावा 10 मार्च को अपने शो 'दिस वीक' में किया था। शनिवार को इस मामले से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए गए। इसके मुताबिक एबीसी न्यूज अपनी वेबसाइट पर एक पोस्ट कर माफी मांगेगा और जो दावा उसने किया था उसके लिए खेद जताएगा। इसके साथ ही ट्रम्प के वकील को 1 मिलियन डॉलर की फीस भी देगा। एबीसी न्यूज ने पोस्ट करते हुए समझौते के बदले मुकदमा खारिज करने पर खुशी जताई है।

ट्रम्प ने आरोप लगाया कि कैरोल ने यौन शोषण को लेकर झूठ बोला था। ट्रम्प के इस बयान के बाद कैरोल ने उन पर मानहानि का मुकदमा किया था।

कैरोल के साथ यौन उत्पीड़न के दोषी हैं ट्रम्प

डोनाल्ड ट्रम्प को 2023 में में न्यूयॉर्क मैगजीन की लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ यौन शोषण का दोषी पाया गया था। कैरोल ने आरोप लगाया था कि ट्रम्प ने 1996 में उनके साथ यौन शोषण और बलात्कार किया था। हालांकि जूरी ने अपने फैसले में ट्रम्प के सिर्फ यौन शोषण का दोषी करार दिया था। इसके लिए ट्रम्प पर 5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भी लगा था।

इससे पहले ट्रम्प ने कैरोल के लेकर दिए एक बयान में कहा था कि वो उनके टाइप की नहीं है। एक दूसरे बयान में

पोर्न स्टार के संबंध बनाने के दोषी हैं ट्रम्प

डोनाल्ड ट्रम्प के इस साल 30 मई को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल के साथ संबंध बनाने और पैसे देकर चुप कराने के आरोप में दोषी करार दिया गया था। दोषी पाए जाने के बाद ट्रम्प ने अगस्त में फेडरल कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप करने के लिए कहा था। इसके बाद फेडरल कोर्ट ने मामला वापस न्यूयॉर्क कोर्ट में भेज दिया था। न्यूयॉर्क की कोर्ट में ट्रम्प ने सजा को रद्द करने के लिए याचिका लगाई थी। हालांकि ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई को अनिश्चितकाल के टाल दिया है।

कभी मैनचेस्टर सिटी के लिए खेले फुटबॉल, अब संभालेंगे जॉर्जिया की कमान

तब्लीसी, एजेंसी। जॉर्जिया के सत्तासीन दल जॉर्जियन ड्रीम पार्टी ने मिखाइल कवेलशविली को देश का नया राष्ट्रपति नियुक्त किया है। एक फुटबॉलर से एक धुर-दक्षिणपंथी नेता बने कवेलशविली की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब जॉर्जिया में अक्तूबर में हुए चुनावों को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। चुनाव में लोगों ने घूसखोरी से लेकर दो बार वोटिंग की घटनाओं तक के आरोप लगाए हैं। कवलेशविली अपनी पार्टी में राष्ट्रपति पद के इकलौते उम्मीदवार रहे। शनिवार को इस पद के लिए उन्हें सर्वसम्मति से चुन लिया गया। हालांकि, कवलेशविली के चुने जाने के बाद जॉर्जिया में विपक्ष ने संसद का बहिष्कार करने का फैसला किया है। विपक्षी सांसदों ने अपने इस फैसले के पीछे अक्तूबर में लगे धांधली के आरोपों का हवाला दिया।

जॉर्जिया में क्या रहे चुनावी नतीजे

जॉर्जिया में सात साल पहले एक संविधान संशोधन के बाद चुनावों का तरीका बदला गया था। इस साल अक्तूबर में हुए चुनाव में रूस समर्थक जॉर्जियन ड्रीम पार्टी को 53.9 फीसदी वोट मिले थे। उसने संसद की 150 में से 89 सीटें हासिल कीं। इस चुनाव में हुई वोटिंग के बाद विपक्ष ने राजधानी तब्लीसी में प्रदर्शन किया था। विपक्षी दलों का आरोप था कि चुनाव में धांधली हुई है। दूसरी तरफ दो अमेरिकी सर्वे एजेंसियों ने भी इन चुनाव नतीजों में गड़बड़ियों के संकेत दिए। चौंकाने वाली बात यह है कि 26 अक्तूबर को चुनावी नतीजे आने के बाद से ही जॉर्जिया में हर दिन प्रदर्श जारी हैं। हालांकि, सरकार ने जब यह एलान किया कि वह यूरोपीय संघ के साथ जाने की वार्ता को 2028 तक के लिए टाल रही है, तब यह प्रदर्शन उग्र हो गए। इसके जवाब में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले से लेकर पानी की बौछारों तक का इस्तेमाल किया है। वहीं 400 से ज्यादा गिरफ्तारियां भी हुई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कवेलशविली 1990 के दौर में प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर रह चुके हैं। उन्होंने 2022 में ही जॉर्जियन ड्रीम पार्टी के दो सांसदों के साथ मिलकर पीपुल्स पावर नाम का समूह शुरू किया था। यह समूह अपने पश्चिम विरोधी एजेंडे के लिए काफी चर्चित रहा है।

लोगों ने फुटबॉल खेलकर किया विरोध

बताया गया है कि जॉर्जिया में राष्ट्रपति के लिए वोटिंग से ठीक पहले बड़ी संख्या में लोग संसद के बाहर प्रदर्शनों के लिए जुटे। बर्फबारी के बावजूद इन लोगों ने फुटबॉल खेला और संसद की तरफ रेड कार्ड दिखाया। यह कवेलशविली के पिछले करियर को देखते हुए उनके खिलाफ प्रदर्शन का नया तरीका था।

अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड एक्सचेंज ऑफर का समापन, ऋण पुनर्गठन, नई प्रतिभूति हासिल करने में मिलेगी मदद

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका ने अपने अंतर्राष्ट्रीय सॉवरेन बॉन्ड एक्सचेंज ऑफर के सफल समापन की घोषणा की है, जिसमें 98 प्रतिशत बॉन्डधारकों ने भाग लिया। यह कदम देश को अपने ऋण का पुनर्गठन करने और नई बॉन्ड प्राप्त करने में मदद करेगा। श्रीलंका ने यह घोषणा शुक्रवार को की गई, जो 14.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण पुनर्गठन समझौते के कुछ दिनों बाद आई है, जिसे पिछले शासन में तय किया गया था। इस समझौते के तहत मौजूदा बॉन्ड के बदले नए बॉन्ड जारी किए जाएंगे और यह कदम आईएमएफ द्वारा कर्ज स्थिरता बनाए रखने के लिए जरूरी था।

श्रीलंका के राष्ट्रपति और वित्त मंत्री अनुरा कुमारा दिसानायके ने इस उच्च भागीदारी को एक विश्वासमत के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि इस विनिमय में बाजार प्रतिभागियों की बड़ी भागीदारी यह दिखाती है कि सरकार की योजना में विश्वास है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय हितधारकों से उच्च भागीदारी को एक विश्वासमत के रूप में सराहा। उन्होंने कहा हम अपने अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय बॉन्डधारकों से इस विश्वास को देखकर बहुत प्रसन्न हैं। पिछले कुछ साल श्रीलंकाई जनता के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं, लेकिन हमारे सामूहिक

प्रयास अब फल दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा इस ऋण विनिमय का कार्यान्वयन, जो दो वर्षों की गहन वार्ता का परिणाम है। श्रीलंका को पर्याप्त ऋण राहत प्रदान करेगा। इससे हमारे विकास और सामाजिक योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए अल्प और मध्यम अवधि में संसाधन मिलेंगे और हमारे सार्वजनिक वित्त की दीर्घकालिक स्थिरता बहाल होगी। उन्होंने कहा कि आज हम अपने इतिहास का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं और कई वर्षों के संकट के बाद एक नया रास्ता चुन रहे हैं। जानकारी के अनुसार आईएमएफ ने श्रीलंका को 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की विस्तारित निधि सुविधा प्रदान की है।

थाईलैंड के टाक प्रांत में बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत, 39 घायल

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के टाक प्रांत में एक वार्षिक उत्सव के दौरान हुए बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, 39 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी राज्य के स्थानीय अधिकारियों ने दी। प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस विस्फोट में मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पैतोंगटार्न ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को घटना की शीघ्र जांच करने, अपराधियों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने का आदेश दिया है।

साथ ही, अधिकारियों को सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आगामी सभी त्योहारों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने का निर्देश दिया है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में, थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत सोंगखला में एक पार्क के पास सड़क किनारे हुए विस्फोट में दो स्कूली बच्चों सहित आठ लोग घायल हो गए थे। घायलों में एक जिला सहायक प्रमुख, एक रक्षा स्वयंसेवक और ग्रामीण भी शामिल थे। थाई सेना के रीजन 4 फॉरवर्ड कमांड ने फरवरी में कहा था कि उनका मानना है कि दक्षिणी विद्रोहियों ने उस समय डिवाइस में विस्फोट किया जब एक पिकअप ट्रक उस स्थान से गुजरा।

यह विस्फोट थाई सेना और विद्रोहियों के समूह के बीच झड़प के बाद हुआ। इसके बाद नाराथिवात प्रांत के एक पहाड़ पर सुरक्षा बलों ने पांच संदिग्ध दक्षिणी विद्रोहियों को मार गिराया। झड़प के बाद, सेना की दक्षिणी कमान के प्रवक्ता ने विद्रोही समूहों की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी। थाईलैंड के मुख्यतः मलय-मुस्लिम जातीय बहुल याला, पट्टानी और नाराथिवात प्रांतों में अलगाववादी विद्रोह ने 2004 से अब तक लगभग 7,000 लोगों की जान ले ली है। थाई सरकार शांति के लिए कई विद्रोही समूहों के साथ बातचीत कर रही है।

ट्रंप की धमकियों पर मेक्सिको की राष्ट्रपति ने कहा - हम मेक्सिकन लोगों के स्वागत के लिए तैयार हैं

मेक्सिको सिटी , एजेंसी। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहाकि अमेरिका में स्थित मेक्सिको के वाणिज्य दूतावास अपने नागरिकों के लिए कानूनी सहायता को और बेहतर करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें उनके अधिकारों और निर्वासन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मिले। उन्होंने कहा कि हम मेक्सिको में मेक्सिकन लोगों के स्वाग्त के लिए तैयार हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, शुक्रवार को प्रेसिडेंट शीनबाम का यह बयान, अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगातार दी जा रही सामूहिक निर्वासन की धमकियों के जवाब में आया।

ट्रंप ने अवैध इमीग्रेशन को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए मेक्सिको की आलोचना की है। शीनबाम ने ने दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, (नागरिकों) को मेक्सिको वापस भेजने के नियम हैं। ऐसा नहीं है कि पुलिस उन्हें रोकती है और फिर उसी दिन उन्हें बॉर्डर पर भेज देती है। ऐसे मानक और नियम हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए, और उन्हें बिना किसी कारण के निर्वासित नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, हम संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने वाणिज्य दूतावासों की क्षमता को मजबूत कर रहे हैं और कानूनी सहायता के स्तर में सुधार कर रहे हैं। सरकार वाणिज्य दूतावासों के लिए संपर्क जानकारी प्रदान करेगी, ताकि मैक्सिकन नागरिक निर्वासन के मामले में सहायता प्राप्त कर सकें। शीनबाम ने कहा, हम मेक्सिको में मेक्सिकन लोगों का स्वागत करने के लिए हैं और उन्हें निर्वासित किए जाने की स्थिति में उनकी जरुरत की हर चीज तैयार कर रहे हैं।

इससे पहले नवंबर में, राष्ट्रपति शिनबाम ने प्रवासियों के संभावित बड़े पैमाने पर निर्वासन के लिए चिंता व्यक्त की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनके पदभार संभालने के बाद ऐसा हो सकता है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक शीनबाम ने कहा, यदि निर्वासन होता है, तो हम मैक्सिकन लोगों को स्वीकार करेंगे, और हमारे पास इसके लिए एक योजना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में एक बार फिर होटल से सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

पुलिस ने छापेमारी कर थाईलैंड की चार युवतियों को मुक्त कराया और ग्राहक,होटल संचालक समेत कुल चार लोगों को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सारोली इलाके में एक होटल की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट पर सारोली पुलिस ने छापा मारा। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान देह व्यापार में शामिल 4 थाईलैंड की युवतियों को मुक्त कराया। इसके साथ ही एक ग्राहक और होटल संचालक को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

गौरतलब है कि होटल के कमरों में ग्राहकों को एसी समेत अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती थीं। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह रैकेट कब से संचालित हो रहा था और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पुलिस ने होटल से सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के सारोली इलाके में चल रहे सेक्स रैकेट के बारे में पुलिस को सूचना मिलने के बाद छापेमारी की गई। पुलिस ने सारोली गांव के गेट के पास स्थित टाइम्स गैलेरिया में ओमकार होटल की आड़ में चल रहे इस रैकेट की जांच की। जांच के दौरान होटल में विदेशी महिलाओं से देह व्यापार करवाया जा रहा था।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान 4 विदेशी थाईलैंड की युवतियों को मुक्त कराया। साथ ही, होटल के संचालक किशन हीरालाल माहतो, ग्राहक सतीस जयसुखभाई सुहागिया, राकेशभाई वाडदोरिया और होटल कर्मचारी तपन मेती को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने छापेमारी में 66,000 रुपये से अधिक का माल जब्त किया और होटल मालिक सागर अकबरी को वांटेड घोषित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

शारीरिक सुख के लिए 3 हजार रुपये वसूले जा रहे थे

पुलिस ने बताया कि होटल मालिक और मैनेजर ग्राहकों को विदेशी युवतियों सहित सभी सुविधाएं प्रदान करते थे। वर्तमान में पुलिस ने 4 थाईलैंड की युवतियों को मुक्त कराया है और ग्राहकों के साथ होटल मैनेजर को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

साथ ही, होटल मालिक सागर अकबरी को वांटेड घोषित कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। होटल मैनेजर और मालिक ग्राहकों से विदेशी युवतियों के साथ शारीरिक सुख के लिए 3 हजार रुपये वसूलते थे।

पहले भी पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया था

गौरतलब है कि सूरत शहर में कई जगहों पर होटलों या स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट चलाए जाते हैं, जिन पर पुलिस समय-समय पर कार्रवाई करती रहती है। कुछ दिन पहले ही अडाजन इलाके में चल रहे एक सेक्स रैकेट पर पुलिस ने छापा मारा था। उस दौरान पुलिस ने थाईलैंड की 6 युवतियों को मुक्त कराया था और 11 ग्राहकों समेत होटल मालिक को गिरफ्तार किया था। यह घटनाएं शहर में इस तरह के अवैध धंधों की बढ़ती प्रवृत्ति को उजागर करती हैं।

विशाल कलश एवं निशान यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर सूरतधाम में आठ दिवसीय अमृत महोत्सव का आयोजन सोमवार से किया गया. श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया की आयोजन की शुरुआत विशाल कलश एवं निशान यात्रा से की गई. न्यू सिटी-लाइट स्थित मेंहदीपुर बालाजी मंदिर से सुबह बाजे-गाजे के साथ विशाल कलश एवं निशान यात्रा निकाली गई. इसमें महिला-पुरुष व बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

कलश यात्रा में श्रीकृष्ण-राधा की जीवंत झाँकी, श्याम रथ सहित मुख्य यजमान अंचला बनवारीलाल मुरारका एवं अन्य यजमान हाथों में रजत कलश लेकर एवं चुनड़ी वेश में सजी-धजी सैकड़ों महिलाएं हाथों में निशान लेकर भक्तों के साथ जय श्री श्याम के जयकारे लगाते हुए निकले. विशाल कलश एवं निशान यात्रा जहां से भी गुजरी, उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई. पूरा वेसू क्षेत्र जय श्री श्याम के जयकारे से गुंजायमान हो उठा. विशाल कलश एवं निशान यात्रा विभिन्न मार्गों से होकर श्री श्याम मंदिर पहुंची. यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं शीतल पेय से स्वागत किया गया. कार्यक्रम में भजन संध्या का आयोजन शाम सात बजे से किया गया. भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार जुगल अग्रवाल के अलावा सोनभद्र से आमंत्रित संजीव शर्मा एवं दिल्ली से आमंत्रित ट्विंकल शर्मा में भजनों की प्रस्तुति दी.

>> गौरव कृष्ण गोस्वामी कराएंगे श्रीमद् भागवत कथा का रसपान - ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने बताया की मंगलवार से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में वृंदावन के गौरव कृष्ण गोस्वामी व्यासपीठ से प्रतिदिन दोपहर 2 से 6 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे.

सूरत में 3 युवतियों ने रोमियो की धुलाई की तीन दिन से परेशान कर रहा था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में तीन युवतियों ने एक युवक की जमकर धुलाई कर दी। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवती ने बताया कि युवक ने उसे और उसकी दोस्तों को तीन दिन से परेशान किया था और ऐसे शब्द कहे थे, जो यहां नहीं कहे जा सकते थे। इस परेशान करने से तंग आकर युवतियों ने युवक की धुलाई की।

सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में युवतियों से छेड़छाड़ कर रहे एक युवक को पकड़कर तीन युवतियों ने सार्वजनिक रूप से (जमकर धुलाई) चखाया। युवक पिछले तीन दिनों से युवतियों का पीछा कर उन्हें परेशान कर रहा था, जिसके बाद युवतियां रौद्र रूप में आ गईं और युवक को सबक सिखाया। बाद में युवक को पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। तीन दिनों से छेड़छाड़ करने का आरोप मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में युवतियां रोजाना अपनी ज्वेलरी की दुकान से काम पर जाते समय वहां से गुजर रही थीं, तब से एक युवक तीन दिनों से उन्हें परेशान कर रहा था। आज युवतियों ने उस युवक को पकड़ लिया, और उससे पूछताछ की। हालांकि युवक ने अपनी सफाई में कहा कि, "मैं आपको नहीं पहचानता।" इसके बाद युवतियों ने युवक को मारना शुरू कर दिया, और आसपास के लोग एकत्र हो गए। जब लोगों को युवती से छेड़छाड़ का पता चला, तो उन्होंने भी युवक को चखाया। इसके बाद युवक को कापोद्रा पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां भी युवतियों ने उसे चखाया। "यहां कहे न जा सकने वाले शब्द हमें कहे थे" - युवती इस बारे में एक युवती ने कहा, "हम शनिवार को ऑफिस जा रहे थे, तब यह व्यक्ति बहुत ही अभद्र भाषा में बात कर रहा था और अश्लील हरकतें कर रहा था। वह बाइक पर सवार होकर दो से तीन बार हमारे पास आया और गली-मोहल्ले की तरफ मुड़कर अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया। उस दिन हम उसे पकड़ने के लिए गए, लेकिन वह मुख्य सड़क पर भाग गया।"

फोस्टा में व्यापारियों के भुगतान सायकल एवं भुगतान में देरी को लेकर हुआ सेमिनार का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, फोस्टा बोर्डरूम में व्यापारियों के भुगतान सायकल एवं DEBTS के साथ भुगतान में देरी के बारे में विस्तृत जानकारी हेतु एक सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में श्री बी.एल. चांडकजी, एक्स-DGM, SID-BI उपस्थित रहे.

सेमिनार में उपस्थित एक्सपर्ट ने बताया कि व्यापार में भुगतान में देरी और डिफ़ॉल्ट की व्यापक समस्या के समाधान के लिए हमे एक सिस्टम संचालित डिजिटल प्लेटफोर्म की जरूरत है. इसमें केवल MSME ही नही बल्कि वे सभी फ़र्मे शामिल है,जो व्यापार में उधारी पर बिक्री करती है और GST में रजिस्टर्ड है.

भुगतान में देरी पर बातचीत करते हुए निम्न प्रभाव व्यापारियों पर पड़ रहे है :-

1. प्रोडक्शन पर प्रभाव पड़ता है
2. भुगतान का रोटेशन नही होता है
3. केपिटल रकम में व्याजदर बढ़ता है

जिसके अंतर्गत उपस्थित एक्सपर्ट ने बताया कि बेंकिंग के जैसे हमे GST को CIBIL से जोड़ना चाहिए, जिससे GST CIBIL के माध्यम से लोगो का व्यापार सुरक्षित रहे.

अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि फोस्टा द्वारा इस विषय में उचित सलाह-सुचन कर वित्तमंत्रालय एवं कपड़ा मंत्रालय में पत्र के माध्यम से यह निवेदन करेंगे कि व्यापारिक लेनदेन त्रस्ज्ञ के अंतर्गत होता है तो क्रेता और विक्रेता के बिच कॉन्ट्रैक्ट के दिन पेमेंट की धारा तय हो जानी चाहिए और यदि उस पेमेंट की धारा से लेट पेमेंट होता है तो त्रस्ज्ञ पोर्टल से सम्बंधित व्यापारी को रेड फ्लेग का सिस्टम होना चाहिए और यदि कोई और लेट पेमेंट करता है तो उसका त्रस्ज्ञ स्स्क्क्षहष्ठ किया जाना चाहिए, यह सलाह उपस्थित एक्सपर्ट श्री बी.एल.चांडकजी ने दी, जिसकी सभी ने सराहना की.

इस सेमिनार में FOSTTA के पदाधिकारीगण एवं विभिन्न मार्केट के अग्रणी और व्यापारी बंधु, उपस्थित रहे.

छोटे बच्चों ने चन्द्रमा और तारामंडल को निहारा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में सभी विद्यार्थियों के लिये नाईट-आउट एवं स्काई गेजिंग के कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया. आयोजन में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रात के समय टेलिस्कोप के जरिये आसमान को बेहद नजदीक से देखा और समझा. चन्द्रमा और तारामंडल को टेलिस्कोप के जरिये इतना नजदीक देखना उनके लिये यादगार पल था. बच्चों ने इसके साथ नाईट-आउट का भी पूरा आनंद उठाया, आयोजन में बच्चों ने बोन फायर के साथ खेलकूद, डिनर, डांस म्यूजिक आदि में भी हिस्सा लिया.

विशाल कलश एवं निशान यात्रा से हुई आयोजन की शुरुआत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर सूरतधाम में आठ दिवसीय अमृत महोत्सव की शुरुआत सोमवार से विशाल कलश एवं निशान यात्रा से हुई. यात्रा सोमवार को सुबह साढ़े सात बजे न्यू सिटी-लाइट स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर से रवाना होकर श्री श्याम मंदिर पहुंची. शाम सात बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया है. जिसमें स्थानीय गायक के अलावा सोनभद्र से आमंत्रित संजीव शर्मा एवं दिल्ली से आमंत्रित ट्विंकल शर्मा भजनों की प्रस्तुति देगी. अमृत महोत्सव में मंगलवार से प्रतिदिन भूमि दान संकल्प पूजा विधान का आयोजन सुबह साढ़े आठ बजे से किया जाएगा.

>> श्रीमद् भागवत कथा - इस मौके पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन मंगलवार से प्रतिदिन दोपहर दो बजे से किया जाएगा. कथा में व्यासपीठ से गौरव कृष्ण गोस्वामी भक्तों को भागवत का रसपान करवायेंगे. श्रीमद् भागवत कथा का समापन 23 दिसंबर को होगा.

नगर आयुक्त को पत्र लिखकर अपील

आप के कॉर्पोरेटर ने ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी वाले पोस्टर तुरंत हटाने की मांग की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक अहम मुद्दे पर नगर आयुक्त को पत्र लिखते हुए एक कॉर्पोरेटर ने शहर में जगह-जगह लगे ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी को बढ़ावा देने वाले पोस्टर्स को तुरंत हटाने की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि ऐसे पोस्टर युवाओं को गलत दिशा में ले जाने और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालने का कारण बन रहे हैं।

कॉर्पोरेटर ने नगर प्रशासन से अपील की है कि इन पोस्टरों को अविलंब हटाने के साथ-साथ ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शहर में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी के खतरों के बारे में जानकारी दी जाए।

आपके कॉर्पोरेटर विपुल सुहागिया ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर यह मुद्दा उठाया है। उन्होंने बताया कि सूरत शहर के युवा वर्तमान में बेरोजगारी, मंदी और आर्थिक तंगी के कारण ऑनलाइन गेमिंग की लत का शिकार हो रहे हैं।

कॉर्पोरेटर ने लिखा है कि युवा ऑनलाइन गेमिंग में पैसे हार रहे हैं, और कई बार स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि उन्हें अपनी जान तक गंवानी पड़ती है। यह एक बेहद चिंताजनक विषय है, और इससे निपटने के लिए नगर प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने इस समस्या पर जागरूकता बढ़ाने और शहर में इस प्रकार की गतिविधियों पर नियंत्रण लगाने की मांग की है।

सूरत नगर निगम द्वारा मास ट्रांसपोर्टेशन के तहत संचालित BRTS बसों में विज्ञापनों को लेकर पहले भी एक बार आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी है। यहां तक कि शिक्षा मंत्री ने भी इस तरह के विज्ञापनों पर अपने बयान दिए हैं।

इन विज्ञापनों में ऑनलाइन गेमिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो त्वरित पैसा कमाने का लालच दिखाकर सूरत के युवाओं को बर्बादी की ओर धकेल रहा है। यह ऑनलाइन गेमिंग एक प्रकार का सट्टा है, जिसमें युवा जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में फंस जाते हैं और कई बार कर्ज के जाल में उलझ जाते हैं।

समाचार माध्यमों में बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें इन ऑनलाइन सट्टाकीय गेमों के कारण युवाओं ने आत्महत्या कर ली। ऐसी घातक और सट्टाकीय गेमिंग को रोकने के बजाय, सूरत नगर निगम इन बसों पर उनके विज्ञापनों को जगह देकर मानो इसे प्रोत्साहन दे रहा है।

ऐसे गुमराह करने वाले विज्ञापनों को तुरंत हटाने की आवश्यकता है ताकि युवाओं को इस विनाशकारी जाल से बचाया जा सके।

ऑनलाइन गेम्स के कारण भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है विपुलभाई सुहागिया ने कहा कि स्कूल और कॉलेज के बच्चे बड़ी संख्या में इन बसों में सफर करते हैं, और इन बसों में लगे ऐसे विज्ञापनों को देखकर तुरंत पैसा कमाने के लालच में ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस जाते हैं। यह जाल उन्हें कर्ज और ब्याज के चक्र में उलझा देता है।

कर्ज और ब्याज के दबाव में कई युवाओं ने आत्महत्या कर अपनी जान गंवाई है। ऐसी ऑनलाइन सट्टाकीय गेम्स को प्रोत्साहन देने के बजाय, यह सोचना चाहिए कि इन्हें कैसे रोका जाए। इन बसों में ऐसे विज्ञापनों को तुरंत हटाया जाना चाहिए।

युवा इन ऑनलाइन गेम्स की लत में फंसकर अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। आर्थिक समस्याओं में फंसने के कारण वे अपने परिवार और जीवन दोनों को खतरे में डाल रहे हैं। इसलिए, सूरत नगर निगम को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

पुण्यतिथी के दिन सरदार साहेब की प्रतिमा को जल औंर दूध अर्पित किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत शहर में सरदार वल्लभभाई पटेलजी की पुण्यतिथी के दिन सरदार साहेब की प्रतिमा को जल औंर दूध अर्पित किया, फुलं हार से सन्मानित किया! सरदार वल्लभभाई पटेल पार्टी राष्ट्रीय पार्टी सन 2004 से सात राज्य में कार्यरत है !

सभी कार्यकर्ताओ ने इस समारोह मै शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई औंर इस दौरान गुजरात प्रदेश महामंत्री श्री अब्दुल हमीद फारुक अहमद खानसाहेब के कार्यालय का उद्घाटन किया!

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री. दशरथभाई पारेखजी के शुभ हांतो से कार्यालय का उद्घाटन किया!

इस रोज सभी पदाधिकारी के उपस्थिती मै पुरानी टीम को बरखास्त करके नई टीम को प्रमाणपत्र देकर कार्यान्वित किया !मिशन 2025 महानगरपालिका चूनाव (गुजरात,महाराष्ट्र)राज्य के सभी सिटोपर चुनाव लढाने का पत्रकार परिषद में दावा किया है!